राजस्थान का तेजी से लोकप्रिय होता अखबार
जयपुर, शुक्रवार, 14 नवंबर, 2025
राज्य सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

सुविचार
"वास्तव में संघर्ष की भावना ही अपने आप में एक सफलता है।"

हमारा समाचार

@hamarasamachar
@hamarasamachar
@hamarasamachar
@hamarasamachar
9461162346

दैनिक | वर्ष - 12 अंक: 171 | प्रातः कालीन | मूल्यः 3 रुपए | पृष्ठ: 8 | hamarasamachar02@gmail.com

संपादकीय -

अंता में लोकतांत्रिक मूल्यों का ह्रास बड़े खतरे का संकेत!

मरूधरा के हाड़ौती इलाके की अंता विधानसभा सीट पर मंगलवार को उप चुनाव संपन्न हुए। संतोषजनक बात यह रही कि मतदान शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गया। अब उम्मीदवारों का भाग्य तो 14 नवंबर को खुलेगा और जीत का सेहरा किसके सिर बंधेगा यह उसी दिन तय होगा। मगर यह चुनाव कुछ कड़वे संदेश छोड़ गया है जिनको गहराई से समझने की जरूरत है।

रामनिवास मंडोलिया
संपादक

भारत एक लोकतांत्रिक देश है जो दुनिया में स्वस्थ लोकतंत्र का सबसे खूबसूरत मुल्क है। स्वस्थ मतदान, स्वस्थ लोकतंत्र यहां की पराकाष्ठा रही है। लेकिन अंता में जिस तरह की गुंडागर्दी देखी गई, इससे लोकतंत्र को एक चुनौती दे दी गई है। चुनाव लड़ना सबका अधिकार है। राजनीतिक पार्टियां अपनी जगह है, उनकी विचारधारा अलग- अलग हो सकती है, लेकिन उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देना है। चुनावों में कोई भी पार्टी जीते, कोई भी हारे, लेकिन जनादेश का सम्मान करना चाहिए। और आज तक यह होता भी आया है। विपक्ष भी अपनी भूमिका मजबूती से निभाए तभी असल मायनों में स्वस्थ लोकतंत्र का सपना साकार होता है। भले ही मरूधरा सूबे में वजीरे आला भगवा पार्टी का बना हो तो हाथ वाली पार्टी के पूर्व वजीर ए आला ने शपथ ग्रहण में पहुंचकर स्वस्थ लोकतंत्र को बढ़ावा दिया है और जनादेश का इस्तकबाल किया है। ठीक इसी तरह जब सूबे में हाथ वाली पार्टी को सता मिली थी तो भगवा पार्टी की ओर से वजीर ए आला रह चुकी शक्ति ने भी शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचकर जनादेश का इस्तकबाल किया था। यही हिंदुस्तान के लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती है। लेकिन अफसोस! अंता में कुछ नेताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों की सरेआम धज्जियां उड़ाई। ऐलानिया धमकियां दी गई, झूठा बदनाम किया गया, यहां तक कि नेताओं की पत्नियों तक के लिए अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया गया। हद की पराकाष्ठा तो तब पार हो गई जब असभ्य, अमर्यादित, अमानवीय आचरण करने वाले नेताओं के लिए उनके जैसे ही ढींगे हांकने वाले भी दो तीन नेता भी यहां गुंडागर्दी, झूठ और पाखंड की जमात में शामिल हो गए। क्या यही दुनिया का सबसे खूबसूरत लोकतांत्रिक मुल्क कहे जाना वाला हिंदुस्तान है जिसमें एक दूसरे की मान मर्यादा, संयमित भाषा और आचरण को ताक पर रख दिया गया? इस चुनाव में एक भाया भी चर्चित रहा जिसके लिए जितना बोलना था, बोला गया। रेत खाया, भाटा खाया, पूरा गांव खा गया जैसे मनगढ़ंत और मिथ्या आरोप लगाए गए। कौनसे गांव को खा गया, क्या सबूत है। यदि सबूत है तो इसकी जांच क्यों नहीं कराई जा रही। लेकिन यहां तो इज्जत के जो लांछन लगाना है। पिछले विधानसभा चुनावों में एक नेता ने लाल डायरी का मुद्दा उछाला। क्या निकला उस लाल डायरी में। सिवाय मिथ्या आरोपों के सिवाय कुछ भी नहीं। अंता विधानसभा उप चुनाव में संकीर्ण मानसिकता का परिचय दिया गया है जो आने वाले भविष्य के लिए कतई अच्छा नहीं है, जनता को समझना जरूरी है। समय रहते नहीं चेते तो उतर प्रदेश, बिहार जैसे हालात बनने में देर नहीं लगेगी।

मतदाता सूची की उलझन में फंसा पूरा चुनावी कैलेंडर..

अब एसआईआर प्रोग्राम बना सरकार की 'ढाल'..

मई से पहले संभव नहीं निकाय-पंचायत चुनाव!

वन स्टेट, वन इलेक्शन पर सियासी संग्राम, यूडीएच मंत्री का बड़ा बयान, कहा-मई से पहले नहीं होंगे निकाय चुनाव

हर तैयारी होने के बावजूद रोक जरूरी

सीमा विस्तार से लेकर परिसीमन तक सब पूरा, फिर भी चुनाव टल रहे

विपक्ष ने की सवालों की बौछार, हालांकि पिछड़ा वर्ग आरक्षण और एसआईआर दोनों अधूरे

हमारा समाचार

जयपुर। प्रदेश में 'वन स्टेट, वन इलेक्शन' को लेकर सियासी आरोप-प्रत्यारोप का दौर हर दिन चल रहा है। कांग्रेस पंचायत और निकाय चुनाव की बदलती तारीख पर प्रदेश सरकार को घेर रही है। पहले दिसंबर, फिर जनवरी में चुनाव की बात करने वाली भजनलाल सरकार की मंशा पर भारत निर्वाचन आयोग के एसआईआर कार्यक्रम ने ब्रेक लगा दिया। इधर, कांग्रेस सरकार पर आरोप लगा रही है कि हार के डर से चुनाव आगे से आगे खिसका रही है। पंचायत और निकाय चुनाव की तारीखों को लेकर चल रही सियासत के बीच यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने साफ किया कि अब नगर निकाय के चुनाव मई में ही संभव हैं। गुरुवार को अपने आवास पर मीडिया से बात करते हुए खर्रा ने कहा कि सरकार की तरफ से सभी तैयारी पूरी है, लेकिन भारत निर्वाचन आयोग के एसआईआर कार्यक्रम के चलते चुनाव अभी करवाना संभव नहीं है, अब नगर निकाय के चुनाव मई में ही होंगे। हालांकि यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि स्वशासन विभाग और राज्य सरकार के स्तर पर जितना काम होना था, वह सितंबर में पूरा हो चुका है। नगर निकाय की सीमा विस्तार का काम होना था वह पूरा हो चुका है, उसके लिए नोटिफिकेशन जारी हो चुका है। इसके बाद नगर निकाय के वार्डों का परिसीमन और पुनर्गठन होना था, वह काम भी पूरा हो चुका है और उसका भी नोटिफिकेशन जारी हो चुका है। उन्होंने कहा कि स्वायत्त शासन विभाग और सरकार के स्तर पर ऐसा कोई काम बाकी नहीं है जिससे कि चुनाव में कोई बाधा उत्पन्न हो।

पिछड़ा वर्ग के आंकड़े और आरक्षण के आधार पर लॉटरी का काम अब भी अधूरा

खर्रा ने कहा कि दो काम बाकी हैं, जिसमें एक सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की पालना में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को निकायवार पिछड़ा वर्ग के आंकड़े एकत्रित करने हैं, दूसरा पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के आधार पर लॉटरी निकालने का काम। पिछड़ा वर्ग आयोग ने आश्वस्त किया था कि उनके सर्वे का काम सितंबर में पूरा हो जाएगा, उसी आधार पर सरकार ने दिसंबर में चुनाव करने की बात कही थी, लेकिन अब भारत निर्वाचन आयोग की एसआईआर का कार्यक्रम जारी कर दिया। इसके चलते नगर निकाय के चुनाव अभी पूर्ण नहीं करवा सकते हैं। खर्रा ने कहा कि पुरानी मतदाता सूची से मतदान कराने की कोई वैधानिक सत्यता नहीं रहेगी, इसलिए एसआईआर कार्यक्रम के पूर्ण होने का इंतजार करना ही पड़ेगा।

अब मई से पहले संभव नहीं निकाय और पंचायत चुनाव

झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि विभाग और सरकार के स्तर पर किसी तरह की कोई तैयारी पेंडिंग नहीं है, लेकिन ये कटु सत्य है कि जब तक एसआईआर का कार्यक्रम चलेगा नगर निकाय के चुनाव संभव नहीं हैं। हम ये मान सकते हैं कि 15 फरवरी तक विशेष मतदाता पुनरीक्षण का कार्यक्रम पूरा हो जाए, लेकिन 15 फरवरी से 15 अप्रैल तक अलग-अलग स्कूलों के बच्चों की परीक्षाएं होंगी। फरवरी से अप्रैल स्कूल कॉलेज में परीक्षाओं का समय होता है। खर्रा ने कहा कि किसी भी तरह के चुनाव कराने के लिए सबसे ज्यादा मैनपावर शिक्षा विभाग की काम में आती है, इसलिए ऐसा लगता है कि वन स्टेट, वन इलेक्शन के तहत चुनाव अब मई में ही संभव हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि पुरानी मतदाता सूची के आधार पर मतदान कराना वैधानिक रूप से उचित नहीं होगा।

मंत्री के अनुमान के अनुसार राजधानी जयपुर से ही कट सकते हैं डेढ़ लाख नाम

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने जयपुर महानगर का उदाहरण देते हुए कहा कि, जयपुर से ही लाख-डेढ़ लाख लोगों का मतदाता सूची से नाम कट सकता है। ऐसे में पुरानी सूची के आधार पर चुनाव कराना ठीक नहीं है। एसआईआर प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद मतदाता सूची की तस्वीर साफ हो जाएगी, जिसके बाद चुनावी प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ेगी। मंत्री ने कहा कि अनुमान है कि विशेष मतदाता पुनरीक्षण 15 फरवरी तक पूरा हो जाएगा, लेकिन इसके तुरंत बाद मार्च-अप्रैल में स्कूल और कॉलेजों की परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी। शिक्षा विभाग की मैनपावर चुनावी कार्यों में अहम भूमिका निभाती है, ऐसे में इस अवधि में चुनाव कराना व्यावहारिक नहीं है।

जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में 10 निरीक्षकों के तबादले

साइबर क्राइम और विशेष अपराध इकाई को मिली नई टीम

हमारा समाचार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में बुधवार देर रात 10 पुलिस निरीक्षकों का तबादला आदेश जारी किया गया है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल द्वारा जारी इस आदेश में विशेष रूप से साइबर क्राइम और विशेष अपराध इकाई को नई ताकत दी गई है। यह तबादला व्यवस्था साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौतियों से निपटने और जांच की गति तेज करने के उद्देश्य से की गई है। आदेश के अनुसार, चार निरीक्षकों को विशेष अपराध एवं साइबर क्राइम थाना जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में तैनात किया गया है, जिनमें प्रेम कुमार शर्मा, रामधन मीणा, सुषमा कुमारी और जितेन्द्र कुमार शामिल हैं। इन अधिकारियों को साइबर अपराधों की तकनीकी जांच, वित्तीय धोखाधड़ी और ऑनलाइन ठगी मामलों के समाधान में विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा इंस्पेक्टर महेश चंद शर्मा, सुनील कुमार, सज्जन सिंह और रतन सिंह को स्पेशल टीम में नियुक्त किया गया है, जो शहर में संगठित अपराध, गैंग गतिविधियों और विशेष ऑपरेशनों पर काम करेगी। वहीं, इंस्पेक्टर हेमंत जनागल को स्टाफ ऑफिसर, विशेष पुलिस आयुक्त (ऑपरेशंस) के रूप में नियुक्त किया गया है। इंस्पेक्टर कविता को अपराध शाखा, आयुक्तालय जयपुर में तैनाती दी गई है।

दिल्ली कार विस्फोट

एक नहीं 32 गाड़ियों से कई शहरों को दहलाने की थी साजिश, अभी सिर्फ 2 कारें थी तैयार

1 में धमाका कर खुद उड़ा डॉक्टर, अब NIA जोड़ रही कड़ियाँ

हमारा समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किले के पास हुई कार विस्फोट की जाँच में खुफिया एजेंसियों ने बड़े आतंकी साजिश का भंडाफोड़ किया है। इस आतंकी हमले में 13 लोगों की मौत के बाद हो गई। जाँच में पता चला कि आतंकी 32 पुरानी गाड़ियों को विस्फोटकों से लैस करने की तैयारी कर रहे थे। इनका प्लान कई शहरों में एक साथ धमाके करने का था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जाँच में सामने आया कि दो गाड़ियाँ हुंडई आई 20 और फोर्ड इकोस्पोर्ट को पहले ही तैयार किया जा चुका था। अब बाकी 32 गाड़ियों की तलाश जारी थी। खुफिया सूत्रों ने बताया कि फरीदाबाद

टेरर मॉड्यूल के आठ आतंकी चार शहरों में दो-दो के जोड़ों में काम कर रहे थे। हर जोड़ी को कई ढ्श्ष्ठ लेकर एक साथ हमले करने थे।

जाँच में पता चला कि ग्रुप ने 20 लाख रुपए जुटाए थे, जिसमें से उमर को ऑपरेशन के लिए दिए गए।

एक और कार बरामदः अल फलाह यूनिवर्सिटी में खड़ी मिली ब्रेजा

फरीदाबाद। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की महिला विंग की कथित कमांडर डॉ. शाहीन सईद की दूसरी कार अल फलाह यूनिवर्सिटी में गुरुवार को मिली है। डॉ. शाहीन ने अल फलाह यूनिवर्सिटी के ही ब्लॉक नंबर 15 के फ्लैट नंबर 32 के पते पर सितंबर 2025 में ये कार खरीदी थी। जम्मू कश्मीर पुलिस से मिले इनपुट के बाद फरीदाबाद पुलिस की टीम ने यूनिवर्सिटी परिसर में कार ढूंढी और इसके आस-पास के इलाके को सील किया गया है।

जयपुर में तांत्रिक ने कपल से ठगे 1 करोड़, जादू-टोना के नाम पर 3 साल तक किया टॉर्चर

हमारा समाचार

जयपुर। जयपुर में अंधविश्वास और धोखाधड़ी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक दंपति पर आरोप है कि उन्होंने भूत-प्रेत और जादू-टोने के नाम पर एक परिवार को अपने जाल में फंसाकर तीन साल में लगभग 1 करोड़ रुपये ऐंठ लिए। थाने में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, आरोपित अंबिका प्रसाद और उनकी पत्नी विजया शर्मा ने ससुराल पक्ष के संपर्क के जरिए पीड़ित परिवार को मानसिक और आर्थिक रूप से वश में करके उनसे पैसे ऐंठ लिए।

मामला जिले के विद्याधर नगर थाना क्षेत्र का है। मामले में शिकायतकर्ता ने बताया कि उनकी शादी दिसंबर 2008 में हुई थी। इसके बाद से सब सामान्य था, लेकिन साल 2022 में कारोबार में तंगी चल रही थी। इसी दौरान एक तांत्रिक दंपति उनके घर आए। उन लोगों ने दावा किया कि उनके परिवार के ऊपर भूत प्रेत का साया है। इस दौरान उन लोगों ने अपनी निजी कला का प्रदर्शन करते हुए परिवार के कुछ निजी जानकारियों को उन्हें बताया। इसके बाद पीड़ित परिवार उनके झांसे में आ गया। पीड़ित ने बताया कि अगस्त 2022 में तांत्रिक ने उनकी पत्नी को बीमार बताकर, डॉक्टर की दवा लेने से मना किया और अपनी 'औषधि' के नाम पर इलाज शुरू किया। उन लोगों ने इलाज का रहस्य उजागर करने पर जान का खतरा बताकर डराया गया और शुरू में ही लगभग 2 लाख रुपए ऐंठ लिए।

जयपुर में फिर डंपर का कहर, बाइक सवार युवकों को मारी टक्कर, एक की मौके पर मौत

जयपुर।

राजधानी जयपुर के हरमाड़ा थाना इलाके में फिर डंपर का कहर देखने को मिला है। जयपुर-सीकर हाईवे पर टोडी मोड़ तिराहे पर गुरुवार को डंपर ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी।

हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें बाइक सवार सड़क पार करते नजर आ रहे हैं, तभी डंपर उन्हें टक्कर मार देता है।

दर्दनाक हादसाः

थूकने के लिए बस की खिड़की से मुंह बाहर निकाला, गर्दन कटकर सड़क पर गिरी

हमारा समाचार

बाड़मेर। बाड़मेर जिले में गुरुवार को दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। चौहटन उपखंड के धनाऊ थाना क्षेत्र में बाखासर रोड पर एक बस यात्री की जान सिर्फ इसलिए चली गई क्योंकि उसने गुटखे की पीक थूकने के लिए बस की खिड़की से सिर बाहर निकाल लिया था। सामने से आ रही पशुपालन विभाग की वैन उसके सिर से टकरा गई, जिससे उसका सिर धड़ से अलग हो गया और मौके पर मौत हो गई। हादसे की सूचना के बाद धनाऊ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। जानकारी के अनुसार, निजी ट्रेवल्स की बस धनाऊ से चौहटन की तरफ आ रही थी। इस दौरान अलमसार के पास बस में बैठे रहमतुल्लाह पुत्र सुलेमान खान निवासी बीसासर ने गुटखे की पीक थूकने के लिए जैसे ही सिर खिड़की से बाहर निकाला, तभी सामने से आ रही पशुपालन विभाग की मोबाइल वैन उसके सिर से टकरा गई।

पूर्व मंत्री डॉ. रतन लाल जाट का निधन

हमारा समाचार

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जिले के सहाड़ा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं शिक्षाविद् डॉ. रतनलाल जाट ने आज लंबी बीमारी के बाद जयपुर के अस्पताल में निधन हो गया। डॉ जाट को पिछले लंबे समय से कई मल्टीपल प्रॉब्लम थी जिनका इलाज किया जा रहा था। शिक्षा जगत से सार्वजनिक जीवन में आए डॉ. जाट ने दो बार विधायक रहकर क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. रतनलाल जाट का जन्म 12 दिसंबर 1948 को सहाड़ा (जिला भीलवाड़ा) में हुआ। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने Ph.D. और LL.M. की उपाधि हासिल की। पेशे से शिक्षक रहे डॉ. जाट ने समाजसेवा और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया और बाद में राजनीति में सक्रिय हुए।

उन्होंने राजनीतिक सफर की शुरुआत जनता दल से की और वर्ष 1990 में पहली बार सहाड़ा विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए।

इसके बाद वे भारतीय जनता पार्टी से जुड़े और 1998 के विधानसभा चुनाव में दूसरी बार विधायक बने।

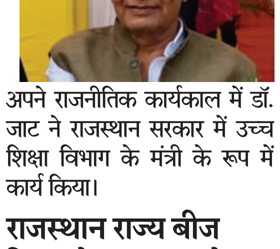

अपने राजनीतिक कार्यकाल में डॉ. जाट ने राजस्थान सरकार में उच्च शिक्षा विभाग के मंत्री के रूप में कार्य किया।

राजस्थान राज्य बीज निगम के अध्यक्ष बने

वे राजस्थान राज्य बीज निगम के अध्यक्ष और भीलवाड़ा जिला प्रमुख के पद पर भी रहे।वर्ष 2008 में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा, जिसमें वे मामूली अंतर से पराजित हुए। बाद में 2021 के सहाड़ा उपचुनाव में भी उन्होंने भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरकर अपनी राजनीतिक सक्रियता बनाए रखी। अपने सादे स्वभाव, शैक्षणिक दृष्टिकोण और जनसेवा के समर्पण के कारण डॉ. रतनलाल जाट को क्षेत्र में एक ईमानदार, कर्मठ और जनहितैषी जनप्रतिनिधि के रूप में जाना जाता है।

अतिक्रमण हटाने पहुंचे यूआईटी सचिव बेनीवाल के नाम पर भड़के... दी गाली

कहा- पता करो सबसे पहले उसी का इलाज करेंगे

हमारा समाचार

बाड़मेर। हादसा में कमी लाने के लिए बाड़मेर यूआईटी ने गुरुवार को हाइवे के किनारे अतिक्रमण हटाने के अभियान का आगाज किया। इस दौरान अतिक्रमण हटाने को लेकर स्थानीय लोगों ने समय मांगा और खुद अतिक्रमण हटाने की बात कही। हालांकि कार्रवाई करने पहुंचे यूआईटी सचिव श्रवण सिंह का गुस्सा भड़क गया और उन्होंने लोगों को आपत्तिजनक गालियां देते हुए धमकाने लग गए। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर अब तेजी से वायरल हो रहा है।

खुद अतिक्रमण हटाने को थे तैयार

दरअसल बाड़मेर नगर विकास न्यास ने राज्य सरकार के निर्देश पर हाईवे के किनारे होटल के आगे किए गए अस्थाई अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू की थी। पुलिस और प्रशासन की टीम जब अतिक्रमण हटाने पहुंची तो स्थानीय लोगों ने कहा कि हमें अपने नोटिस दिया है। उसे नोटिस के समय में हम लोग अपना अतिक्रमण खुद यहां से हटा लेंगे। ताकि हमें कोई नुकसान नहीं हो। उसके बाद एक बार तो प्रशासन इस बात पर राजी हो गया। लेकिन उसके बाद किसी ने हनुमान बेनीवाल का नाम ले लिया तो यूआईटी सचिव श्रवण सिंह राजावत का गुस्सा भड़क उठा।

बेनीवाल के नाम पर भड़के सचिव

यूआईटी सचिव श्रवण सिंह ने गालियां देते हुए धमकाने लग गए और पुलिस को लोगों को पड़कर अंदर डालने करने के निर्देश दिए। उन्होंने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को कहा कि हनुमान बेनीवाल के अतिक्रमण का पता करो सबसे पहले उसी का ईलाज करते हैं।यूआईटी सचिव का गालियां देने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मीडिया ने जब उनसे सवाल किया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने कोई गाली नहीं दी है। जबकि वीडियो में वह साफ तौर पर गालियां देकर धमकाते नजर आ रहे हैं।

कौन होता है यूआईटी सचिव

यूआईटी सचिव एक सरकारी अधिकारी होता है जो शहरी सुधार ट्रस्ट के सचिव के पद पर नियुक्त होता है। यह एक प्रशासनिक पद है और व्यक्ति का कार्य क्षेत्र शहरी विकास, अतिक्रमण हटाना और अन्य संबंधित कार्यों को देखना होता है।

फुलेरा व्यापार महासंघ ने दुर्घटनाओं पर जताई चिंता नगर पालिका से यातायात सुधार की मांग

हमारा समाचार

फुलेरा ।फुलेरा व्यापार महासंघ ने कस्बे और आसपास में हो रही लगातार दुर्घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी और प्रशासन से तत्काल यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने की मांग की है। महासंघ का कहना है कि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो दुर्घटनाओं का सिलसिला और बढ़ सकता है। व्यापार महा संघ के अध्यक्ष मनोज आहूजा ने अपने पदाधिकारी मंडल के साथ अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य बाजार में लटकते विद्युत तारों को भूमिगत करने, डिवाइडर निर्माण करने के अलावा जोबनेर रोड पर स्थित गौरव पथ पर आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए डिवाइडर या सर्कल बनाने की पुरजोर मांग की गई। महासंघ ने चेतावनी दी कि इन स्थानों पर यातायात की अव्यवस्था के कारण स्थानीय व्यापारियों और आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन सौंपने के बाद अधिशासी अधिकारी सूर्यकांत शर्मा ने शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सुधारों पर तुरंत ध्यान दिया जाएगा और संबंधित विभागों से समन्वय कर कार्य शुरू किया जाएगा। यह मांग राज्य सरकार के दुर्घटनाएं रोकने संबंधी निर्देशों के अनुपालन में की गई है। सरकार ने सभी जिलों और नगर निकायों को यातायात सुरक्षा सुनिश्चित करने, खतरनाक स्थलों पर डिवाइडर, सर्कल और अन्य सुरक्षा उपाय अपनाने के सख्त आदेश जारी किए हैं। फुलेरा में बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए व्यापार महासंघ ने इन निर्देशों का हवाला देते हुए प्रशासन पर दबाव बनाया है।स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने भी इस पहल का समर्थन किया है। उनका कहना है कि मुख्य बाजार और जोबनेर रोड पर यातायात व्यवस्था दुरुस्त होने से न केवल दुर्घटनाएं रुकेंगी, बल्कि कस्बे का विकास भी गति पकड़ेगा। प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि आश्वासन को जल्द अमल में लाया जाएगा।

भगवान बिरसा मुण्डा की 150 वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष के तहत 14 व 15 नवम्बर को विविध कार्यक्रमों का होगा आयोजन दो दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारम्भ शुक्रवार को

हमारा समाचार

कोटपूतली ।भगवान बिरसा मुण्डा की 150 वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष के तहत 14 व 15 नवम्बर को राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोटपूतली के सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसमें भगवान बिरसा मुण्डा द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में निभाई गई भूमिका व राष्ट्रीय एकता का संदेश प्रस्तुत किया जायेगा। जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी ने कार्यक्रमों के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एसीईओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया हैं। जिला कलक्टर ने बताया कि 14 नवम्बर को प्रातः 11 बजे से भगवान बिरसा मुण्डा की 150 वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में दो दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारम्भ सरदार विद्यालय के सभागार में होगा। साथ ही भगवान बिरसा मुंडा की जीवनी पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का प्रसारण भी किया जायेगा एवं विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर विभागीय योजनाओं एवं उत्पादों की जानकारी भी दी जायेगी। उन्होंने बताया कि 15 नवम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअली आमजन को संबोधित करेंगे। साथ ही प्रातः शोभा यात्रा निकाली जायेगी। इसके पश्चात सरदार विद्यालय के सभागार में भगवान बिरसा मुण्डा एवं जनजातिय स्वतंत्रता सैनानियों की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजली कार्यक्रम व जनजातीय गौरव दिवस 2025 थीम पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं जिला स्तरीय लाभार्थी सन्तृप्ति एवं चिकित्सा शिविर व विभागीय स्टॉल्स का आयोजन किया जायेगा।

सड़क पर जल भराव से वार्डवासियों व राहगीरों को हो रही भारी परेषानी

मौसमी बीमारियों का बढ़ रहा खतरा, नगर परिषद प्रषासन द्वारा नहीं किया जा रहा कोई समाधान

हमारा समाचार

कोटपूतली। कस्बे के वार्ड नं. 32 में जल भराव की समस्या से वार्डवासियों को भारी परेषानी का सामना करना पड़ रहा हैं। कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेष महासचिव डॉ. अभिलाष मीणा ने बताया कि कस्बे के वार्ड नं. 32 छोटा बाजार स्थित श्री जगन्नाथ जी मंदिर के पास वाली गली नागाजी की गौर व आजाद चौक का मुख्य मार्ग हैं। वहीं उक्त मार्ग से बामनवास, बाला का नांगल, हांसियावास समेत अन्य गांवों की ओर भी रास्ता जाता हैं। जिससे बड़ी संख्या में लोगों का उक्त मार्ग पर आवागमन रहता हैं। लेकिन इस मार्ग पर जल भराव के कारण राहगीरों व वार्डवासियों को भारी परेषानी का सामना करना पड़ रहा हैं। जल भराव से आवागमन में परेषानी के साथ-साथ मौसमी बीमारियां के बढ़ने का खतरा भी बना हुआ हैं। डॉ. मीणा ने बताया कि नालियों की सफाई नहीं होने के कारण जल भराव की समस्या बनी हुई हैं। वार्डवासियों द्वारा सड़क निर्माण की मांग को लेकर नगर परिषद सभापति व आयुक्त समेत अन्य जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपे जाने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं किया गया हैं। वहीं सड़क निर्माण भी अधूरा किया गया हैं जिससे नालियां रूक गई हैं एवं नालियों का गंदा पानी मार्ग पर बह रहा हैं। वहीं मार्ग में स्ट्रीट लाईट नहीं होने के कारण वाहन चालकों एवं राहगीरों के गिरने का खतरा रहता हैं। इस दौरान कमलेश मीणा, अजय मीणा, बाबूलाल शर्मा, मोहन मीणा, धीरज कुमार, मोहन सैनी, विनोद मीणा, दिनेश शर्मा, प्रमोद वशिष्ठ समेत अनेक वार्डवासी मौजूद रहें।

प्रशिक्षित बालिकाओं एवं महिलाओं को किया सम्मानित

हमारा समाचार

कोटपूतली। सैनी विकास संगठन (रजि.) के तत्वाधान में कस्बे के ढ़ाणी दीपावली स्थित श्री षिव मंदिर में माता सावित्री बाई फुले सर्वसमाज महिला उत्थान समिति द्वारा सिलाई कला, ब्यूटी पार्लर एवं मेहंदी कला में प्रशिक्षित 71 बालिकाओं एवं महिलाओं को प्रमाण पत्र एवं फूले दम्पति का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय हैं कि 08 जून से 11 सितम्बर तक 03 माह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। इस मौके पर राजस्थान प्रदेश सैनी माली महासभा प्रदेषाध्यक्ष ताराचंद गहलोत, जिलाध्यक्ष बबलू बबेरवाल, एड. मगन सैनी, भवानी शंकर माली, साधुराम सैनी, षिक्षाविद् देवीसहाय सैनी, महिला जिलाध्यक्ष सुनीता सैनी, चन्द्रकला सैनी, नीलम सैनी, गुड़िया सैनी, संतोष सैनी, शिवानी जांगिड़, किरण सैनी, मीनू सैनी, साक्षी सैनी, मोना शर्मा, कविता यादव, गंगाराम सैनी, संजय सैनी, रामस्वरूप सैनी, आनंद सैनी, रामरतन सैनी, रामावतार मिस्त्री समेत अन्य मौजूद रहें।

रेलवे पेंशनर्स सोसायटी की मासिक बैठक आयोजित एसबीआई एवं पीएनबी के अधिकारियों ने पेंशनर्स के साथ की संगोष्ठी

हमारा समाचार

फुलेरा ।रेलव पेंशनर्स सोसायटी की मासिक मीटिंग गुरुवार को शाखा वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश सहाय शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मीटिंग में दिवंगत साथियों को श्रद्धांजलि के साथ ही नए सदस्यों का माला पहनाकर सम्मान किया गया। पेंशनर्स की ज्वलंत समस्याओं पर

विस्तृत चर्चा के बाद । पंजाब नेशनल बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में डिजिटल लाइफ़ सर्टिफिकेट कैंप आयोजन किया गया जिसमें 75 पेंशनर्स का डिजिटल लाइफ़ सर्टिफिकेट जमा किये गये ।जिसमें पंजाब नेशनल बैंक सहायक प्रबंधक रामेश्वर लाल व योगेश सैनी एवं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक राजू रंजन राय ने विस्तार से डिजिटल लाइफ़ सर्टिफिकेट पर प्रकाश डाला व उपस्थित सभी रेलवे पेंशनर्स का डिजिटल लाइफ़ सर्टिफिकेट जमा कर सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर सरक्षक रामेश्वर दास कुमावत, सचिव लाल चंद कुमावत , कोषाध्यक्ष सी.पी. त्रिपाठी,मोहनलाल लाल जांगिड़, गिरधर गोपाल, आनन्द मेहरोत्रा, वीरेन्द्र बंसल, राज कुमार,ललित मोहन ओबेरॉय, बनवारी लाल कुमावत, वीरेंद्र बंसल, गंगा राम, रमेश चंद कुमावत, शेष नारायण सैनी, श्याम लाल सैनी, बिरधा राम, विक्रम सिंह, बिशन सिंह, सत्य प्रकाश जांगिड़, महेश कुमार वर्मा, अशोक कुमार शर्मा,राम प्रसाद कुमावत , सुरेश कुमार, ब्रज मोहन कुमावत आदि मौजूद रहे।

जोबनेर पीजी कॉलेज में स्वयंसेवकों ने किया वंदे मातरम् का सामूहिक गायन

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर स्वयंसेवको ने किया वंदे मातरम् का सामुहिक गायन

हमारा समाचार

बोराज।जोबनेर के जयपुर रोड पर ढाणी नागान में स्थित जोबनेर पी.जी. महाविद्यालय में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एनएसएस इकाई द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों ने वंदे मातरम् राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन कर देशभक्ति का संदेश दिया।एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी हंसराज जाजोरिया ने स्वयंसेवकों को वंदे मातरम् की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। महाविद्यालय परिसर 'वंदे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के जयघोषों से गूंज उठा तथा पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. पवन कुमार शर्मा ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि 'वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय चेतना और स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा है। हमें इसके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करना चाहिए। 'कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने भी वंदे मातरम् का सामूहिक गायन कर कार्यक्रम का समापन किया।इस अवसर पर महाविद्यालय के निदेशक नवल किशोर शर्मा, संस्था सचिव राम मोहन शर्मा,शिव भगवान शर्मा, बृजमोहन शर्मा,रिचा महर्षि, नीलेश शर्मा,राधा गौड़, सीमा हरित,भागचंद चौधरी,बाबूलाल कुमावत, राजू कुमावत,तनु सैन, बोदुराम जाट, रेखा माहेश्वरी, निकिता कुमावत, ज्योति दाधीच, मनीष शर्मा, दीपक पारीक, देवेंद्र राव, कल्पना कुमावत, शीशपाल नेहरा, रमेश कुमावत एवं विनोद प्रजापत सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्प्लाईज़ यूनियन रनिंग कर्मचारी करेंगे 17 को विरोध प्रदर्शन

हमारा समाचार

फुलेरा।नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्प्लॉईज़ यूनियन के बैनर तले 17 नवम्बर को उत्तर पश्चिम रेलवे स्थित विभिन्न रनिंग लॉबी पर रेलवे बोर्ड द्वारा रनिंग कर्मचारियों के मुद्दों पर निर्णय नहीं लिए जाने एवं जोनल प्रशासन द्वारा मनमर्जी से कार्यवाही करने के विरुद्ध रेल कर्मचारी विरोध प्रदर्शन करेंगे।

यूनियन के जोनल महामंत्री मुकेश माथुर ने बताया कि आल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन (AIRF) की कोलकाता में विगत दिनों सम्पन्न कार्यकारिणी की बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार यह प्रदर्शन पूरे देश में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महंगाई भत्ते के 50' हो जाने पर 25' की दर से सभी भत्तों में वृद्धि कर दी गई है, लेकिन रनिंग कर्मचारियों के किलोमीटर भत्ते में अभी तक वृद्धि नहीं हुई है। इसी प्रकार किलोमीटर भत्ते के 70' भाग को आयकर से मुक्त करने का निर्णय अभी तक सरकार ने नहीं लिया है। उत्तर पश्चिम रेलवे पर मनमर्जी से क्रू वर्किंग में बदलाव किया जा रहा है, लोको पायलट (मालगाड़ी) के पदों पर प्रधान कार्यालय के निर्देशों के बावजूद पदोन्नति नहीं हो रही है, एकतरफा निर्णय करके नई लॉबी खोली जा रही है एवं कैडर रिव्यू इस वर्ष का अभी तक जारी नहीं किया गया है। इन सभी मुद्दों पर लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर, सीएलआई एवं अन्य रनिंग कर्मचारी 17 नवम्बर को अपना रोष प्रकट करेंगे।

यह विरोध प्रदर्शन उत्तर पश्चिम रेलवे पर जयपुर, अजमेर, जोधपुर, बीकानेर, आबू रोड, उदयपुर, फुलेरा, बांदीकुई, रेवाड़ी, भिवानी, हिसार, हनुमानगढ़, सूरतगढ़, चुरू, मेड़ता रोड एवं समदड़ी लॉबी पर आयोजित होगा।

नदी की भूमि पर हो रहा अतिक्रमण, भू-माफिया काट रहे प्लॉट

उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन, गौवंश हेतु भूमि खाली करवाने की मांग

हमारा समाचार

पावटा। पंचायत समिति सभागार पावटा में गुरुवार को जन सुनवाई के दौरान उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा को ग्रामीणों की ओर से एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन देने वालों में रिछपाल यादव, भैरू, चुन्नीलाल, बंसी यादव सहित कई ग्रामीण शामिल रहे। ग्रामीणों ने अपने ज्ञापन में बताया कि कस्बा शिवनगर, नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा क्षेत्र में स्थित आराजी खसरा नंबर 1860, जो कि गैर-मुमकिन नदी भूमि के अंतर्गत आती है, पर लंबे समय से लोगों द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने इस भूमि पर कच्चे-पक्के निर्माण कर कब्जा कर लिया है, वहीं नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा द्वारा इस भूमि में कचरा डालकर नदी का प्रवाह पूरी तरह बाधित कर दिया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस अवैध गतिविधि की आड़ में भू-माफिया अब उक्त भूमि को भूखंडों में विभाजित कर बेच रहे हैं और अवैध रूप से धन अर्जित कर रहे हैं। ज्ञापन में ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी से सीमा अवलोकन कर अतिक्रमण हटाने की मांग की है। साथ ही यह भी कहा गया है कि भूमि को गौवंश के लिए खाली करवाया जाए, ताकि वहां गोवंश का प्राकृतिक आवास सुरक्षित रह सके और उन्हें आश्रय मिल सके। इस अवसर पर ज्ञापन सौंपने आए ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा से न्यायोचित कार्रवाई की उम्मीद जताई है। एसडीएम डॉ. साधना शर्मा ने ज्ञापन प्राप्त कर कहा कि मामले की जांच करवाकर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी, तथा सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एनएच-48 के पास मिला आईटीबीपी जवान का शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने प्रकट की संवेदना, निष्पक्ष जांच की मांग

हमारा समाचार

पावटा। उपखंड क्षेत्र के प्रागपुरा थाना इलाके में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब एनएच-48 पर पावटा उपखंड कार्यालय और नवोदय विद्यालय मार्ग के समीप एक खाली प्लॉट में अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही प्रागपुरा थाना प्रभारी कश्मीर सिंह मय टीम मौके पर पहुंचे और क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच शुरू की। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में शव की पहचान आईटीबीपी (इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस) के जवान विक्रम चौधरी (36) पुत्र कैलाश चंद लम्बोरा, निवासी ढाणी सितोपसिंहपुरा-वीर तेजाजीनगर, तन पांचुडाला, पावटा के रूप में की। जवान के बैग में रखे कपड़ों में कुछ दस्तावेज एवं पहचान पत्र बरामद होने के बाद उसकी पुष्टि की गई। परिजनों ने बताया कि विक्रम 10 नवंबर को अपनी पत्नी कविता से फोन पर बात करने के दौरान यह बताया था कि वह घर लौट रहा है। इसके बाद से उसका फोन स्विच ऑफ आने लगा और संपर्क टूट गया। परिजनों ने चिंता जताई, परंतु कोई पता नहीं चल सका। गुरुवार सुबह शव मिलने की सूचना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। बताया जा रहा है कि विक्रम की पांच महीने की एक नन्ही बेटी भी है, जिसका चेहरा देखने की उसकी आखिरी तमन्ना अधूरी रह गई। घटना की जानकारी मिलते ही फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को उप जिला अस्पताल पावटा में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है, लेकिन पुलिस ने हत्या या दुर्घटना दोनों ही संभावनाओं पर जांच शुरू कर दी है। प्रागपुरा एसएचओ कश्मीर सिंह ने बताया कि 'शव की पहचान हो चुकी है, आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ी जा सकें। परिजनों से भी विस्तृत पूछताछ की जा रही है। किसी भी स्थिति में जांच को निष्पक्ष और तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा।' स्थानीय लोगों ने एसएचओ कश्मीर सिंह की त्वरित कार्रवाई और संवेदनशीलता की सराहना की है। उन्होंने मौके पर पहुंचकर न केवल टीम को दिशा निर्देश दिए बल्कि शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील भी की। वर्तमान में पुलिस सभी संभावित पहलुओं यात्रा मार्ग, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, सीसीटीवी और मोबाइल लोकेशन पर काम कर रही है।

श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव मे कृष्ण जन्मोत्सव

हमारा समाचार

बोराज ।बोराज कस्बे के एक गार्डन में चल रही है सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन गुरुवार को कृष्ण जन्मोत्सव की कथा का भावपूर्ण वाचन किया गया । कथा वाचक महामंडलेश्वर महन्त गणेश दास महाराज ने भगवान कृष्ण के जन्म की दिव्य लीलाओं का वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया । कथा के दौरान जैसे ही श्री कृष्ण जन्म की घड़ी आई पूरा पंडाल ' नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की ' के जय घोष से परिसर गूंज उठा । श्रद्धालुओं ने फूलों की वर्षा की और ढोल नगाड़ों के साथ नृत्य कर जन्मोत्सव उल्लास पूर्वक मनाया गया । महामंडलेश्वर गणेश दास महाराज ने कहा श्री कृष्ण का जन्म धर्म के विनाश और धर्म की स्थापना के लिए हुआ था उनके जीवन से हमें सत्य प्रेम और सेवा की प्रेरणा मिलती है । इस अवसर पर हाथोज धाम के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर बालमुकुंद आचार्य ने कथा में शिरकत की एवं श्रद्धालुओं को आशीर्वचन करें । कथा के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण जन महिलाएं और युवा श्रद्धालुओं ने धर्म कमाया।

फुलेरा और काचरोदा में एसआईआर 2025 की प्रक्रिया जारी

बीएलओ कर रहे संपर्क और फॉर्मो की जांच

हमारा समाचार

फुलेरा । निर्वाचन विभाग की विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत फुलेरा एवं काचरोदा क्षेत्र में मतदाताओं के एन्यूमरेशन फॉर्म की जांच का कार्य जारी है। यह कार्य फुलेरा नगरपालिका सभागार में किया जा रहा है, जहां बूथ लेवल ऑफिसर और सुपरवाइजर मतदाता सूची के सत्यापन का कार्य कर रहे हैं। कार्य में बूथ लेवल ऑफिसर पांचूराम प्रजापति, सुनील कुमावत, लालचंद चौधरी, वंदना सैनी और शोभावती ढाका सहित ग्राम विकास अधिकारी (काचरोदा) विजयप्रकाश कुमावत तथा सुपरवाइजर सोहनलाल व मदनलाल बलाई सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। सभी अधिकारी मतदाताओं द्वारा भरे गए फॉर्मों की सावधानीपूर्वक जांच कर रहे हैं ताकि आगामी ड्राफ्ट मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे और पात्र मतदाताओं के नाम सही रूप से शामिल किए जा सकें। चुनाव विभाग के अनुसार यह प्रक्रिया एसआईआर 2025 के तहत पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अधिकारी मतदाताओं से समय पर अपने दस्तावेज़ प्रस्तुत कर सत्यापन पूर्ण कराने की अपील भी कर रहे हैं।

यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया का 107 वां स्थापना दिवस मनाया

हमारा समाचार

कोटपूतली ।यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया का 107 वां स्थापना दिवस मंगलवार को शाहपुरा शाखा में प्रबंधक महेन्द्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में मनाया गया। इस मौके पर ग्राहक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जगदीश प्रसाद शर्मा जो कि 1968 से यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया के ग्राहक हैं ने केक काटकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। शाखा प्रबन्धक महेन्द्र कुमार गुप्ता ने ग्राहकों को बैंक द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में बताया। साथ ही मुख्य अतिथि व सभी ग्राहकों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर अंकित शर्मा, लालचंद यादव, मनोज चौधरी, मनीष शर्मा, राजकुमार सैनी, एड. महेन्द्र शर्मा, एड. कैलाश चन्द्र बुनकर, गिरिराज अग्रवाल, तुषार अग्रवाल, प्रेमप्रकाश जाट, छगनलाल गुप्ता, मनोज, कंचन सिंह तंवर, कमलेश शर्मा समेत अन्य मौजूद रहे।

सीमा सुरक्षा बल (BSF) के 60वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में,60 जवानों ने 1727 किमी मोटरसाइकिल रैली जम्मू से भुज तक का सफर

उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, फिटनेस और नशा-मुक्त भारत के प्रति जागरूकता फैलाना है।

सीमा सुरक्षा बल अनूपगढ़ के द्वितीय कमान अधिकारी नरेंद्र यादव कार्यवाहक कमांडेंट के नेतृत्व में भव्य रैली का जोरदार स्वागत

हमारा समाचार

सीमा सुरक्षा बल ने 60वां स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम और जोश के साथ मनाया। स्थापना दिवस के मौके पर बीएसएफ के शौर्य बलिदान और जज्बे को को प्रदर्शित करती हुई बाइक राइड रैली का आयोजन किया गया। इस बाइक रैली का जम्मू से शुभारंभ हुआ जिसका समापन भुज गुजरात होगा। सीमा सुरक्षा बल की इस बाइक रैली का 23वीं बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी नरेंद्र यादव कार्यवाहक कमांडेंट के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया। रैली के अनूपगढ़ बीएसएफ 23वीं बटालियन पहुंचते ही भारत माता की जय के नारे, ढोल नगाड़ों के साथ पुष्प बरसाकर बीएसएफ के जवानों का जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने हाथ में तिरंगा लेकर बाइक रैली का अभिवादन किया। महक फाउंडेशन और सीमाजन कल्याण समिति के सदस्यों और इलाके के गणमान्य नागरिकों ने भी बाइक राइड रैली में आए जवानों का पुष्प माला पहनाकर और पुष्प बरसाकर जोरदार स्वागत किया। स्वागत के बाद केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत प्रोत प्रस्तुतियां प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान रैली में आए जवानों के हाथों से पौधारोपण भी करवाये गए। जवानों से बीएसएफ कैंपस में फलदार पौधे लगाकर प्रकृति का संदेश दिया गया। अंत में तमाम अतिथियों व जवानों के लिए भोजन की व्यवस्था करवाई गई। इस मौके पर बीएसएफ के असिस्टेंट कमांडेंट सागर पाटिल ने बताया कि बाइक रैली 9 नवंबर को जम्मू से रवाना हुई थी। जिसमें 60 जवान शामिल हैं, जिनमें 4 महिला जवान भी हैं। यह जवान 1800 किलोमीटर से ज्यादा का सफर तय करते हुए 19 नवंबर को भुज (गुजरात) में पहुंचगे जहां रैली का समापन होगा। रैली का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखना, बीएसएफ के शौर्य बलिदान और वीरता को दर्शाना, युवा पीढ़ी में देशप्रेम का भाव जगाना और नौजवानों को बीएसएफ भर्ती के लिए प्रेरित करना है। साथ ही, देशवासियों में एकता-सद्भावना का संदेश फैलाना है। इस मौके पर बीएसएफ की तरफ से द्वितीय कमान अधिकारी कार्यवाहक कमांडेंट नरेंद्र कुमार यादव, उप कमांडेंट एनएस नश्कर, उप कमांडेंट कृष्ण कुमार कोठारी, उप कमांडेंट रणवीर सिंह, पुलिस प्रशासन की तरफ से एडिशनल एसपी सुरेंद्र कुमार, डीवाईएसपी प्रशांत कौशिक सहित बीएसएफ के जवान और इलाके के जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिक और प्यारे बच्चे मौजूद रहे।

शहीद श्रवण सिंह की पुण्यतिथि पर विशाल तिरंगा रैली व श्रद्धांजलि सभा का होगा आयोजन जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिष्नोई ने कार्यक्रम के पोस्टर का किया विमोचन

हमारा समाचार

कोटपूतली । जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं राजकीय कन्या महाविधालय स्थित सिंदूर स्मारिका वाटिका में शहीद श्रवण सिंह तंवर की 16 वीं पुण्यतिथि पर आयोजित होने वाली विशाल तिरंगा रैली एवं श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया। समाजसेवी रतनलाल शर्मा ने बताया कि आगामी 18 नवंबर को ग्राम नृसिंहपुरा स्थित श्री शिव मंदिर में प्रातः 11 बजे से विशाल तिरंगा रैली एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जायेगा। एसपी देवेंद्र कुमार बिश्नोई द्वारा गुरूवार को तिरंगा रैली एवं श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया। शर्मा ने बताया कि शहीद श्रवण सिंह ने 2009 में आतंकी मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मौत के घाट उतारने के बाद मातृ भूमि की रक्षा करते हुये अपनी प्राणों की आहुति दी थी। इस मौके पर भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार बंसल, भाजपा युवा नेता शशी मित्तल, नागेंद्र सिंह, दीवान चंद्र शर्मा, राजेंद्र प्रसाद टेलर, दिनेश यादव समेत अन्य मौजूद रहें।

एंजेल वन एएमसी ने निफ्टी टोटल मार्केट इंडेक्स पर भारत का पहला स्मार्ट बीटा फंड लॉन्च किया

हमारा समाचार

मुंबई। एंजेल वन लिमिटेड की सहायक कंपनी एंजेल वन एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (एएमसी) ने एंजेल वन निफ्टी टोटल मार्केट मोमेंटम क्वालिटी 50 ईटीएफ और एंजेल वन निफ्टी टोटल मार्केट मोमेंटम क्वालिटी 50 इंडेक्स फंड लॉन्च किए हैं। ये निफ्टी टोटल मार्केट इंडेक्स पर आधारित देश की पहली स्मार्ट बीटा योजनाएं हैं, जो निवेशकों को निष्क्रिय निवेश के तहत व्यापक बाजार में भागीदारी का अवसर देती हैं। नई फंड पेशकशें (एनएफओ) 3 से 17 नवंबर 2025 तक खुली रहेंगी। ये योजनाएं निफ्टी टोटल मार्केट मोमेंटम क्वालिटी 50 इंडेक्स का अनुसरण करेंगी, जिसमें बड़ी, मध्यम, छोटी और माइक्रोकैप कंपनियों के समूह से चुने गए शीर्ष 50 स्टॉक शामिल हैं। चयन मोमेंटम और गुणवत्ता स्कोर पर आधारित होगा। एएमसी के कार्यकारी निदेशक और सीईओ हेमेन भाटिया ने कहा कि कंपनी निवेशकों को किफायती, नियम-आधारित और पारदर्शी निवेश समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 23 नवंबर को 0-5 वर्ष तक के नौनिहाल गटकेंगे दो बूंद जिंदगी की

हमारा समाचार

धौलपुर। जिले में आगामी 23 नवंबर को उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत नौनिहालों को पोलियो रोधी खुराक पिलाई जाएगी। अभियान के सफल आयोजन हेतु चिकित्सा विभाग सभी आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्मसिंह मीणा ने बताया कि उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान जिले में 23 नवम्बर को शुरू होगा, जो आगामी 2 दिन तक चलेगा। अभियान के पहले दिन जिले में स्थापित किये गये बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जायेगी। इसके बाद अगले दो दिन विभाग की ओर से गठित मोबाइल टीमें घर-घर जाकर खुराक से वंचित नौनिहालों को पोलियो की खुराक पिलायेगी। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शिव कुमार शर्मा ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान के पर्यवेक्षण के लिये फील्ड सुपरवाइजर, ट्रांजिक्ट बूथ, और मोबाइल टीमें भी गठित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सैक्टर पर आईएलआर, डीप फ्रीजर, कोल्ड बॉक्स, वैक्सीन कैरियर तथा आईस पैक्स आदि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहेगें। 23 नवंबर को बूथों पर साथ ही अगले दो दिन तक विभाग की ओर से गठित मोबाइल टीमें शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में घर-घर जाकर खुराक से वंचित नौनिहालों को पोलियो की खुराक पिलायेगी। इस सम्बन्ध में अन्य सहयोगी शिक्षा विभाग, आईसीडीएस विभाग आदि के कार्मिकों के सेक्टर स्तर पर प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन भी किया जाएगा। यह प्रशिक्षण जिला स्तर पर प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर द्वारा दिये जायेंगे। शिविरों का दौरान जिला व ब्लॉक स्तर के अधिकारियों द्वारा पर्यवेक्षण किया जाएगा।

आवासीय योजनाओं में निर्माण गुणवत्ता पर आवासन मंडल सख्त, आयुक्त ने नींव तुड़वाई

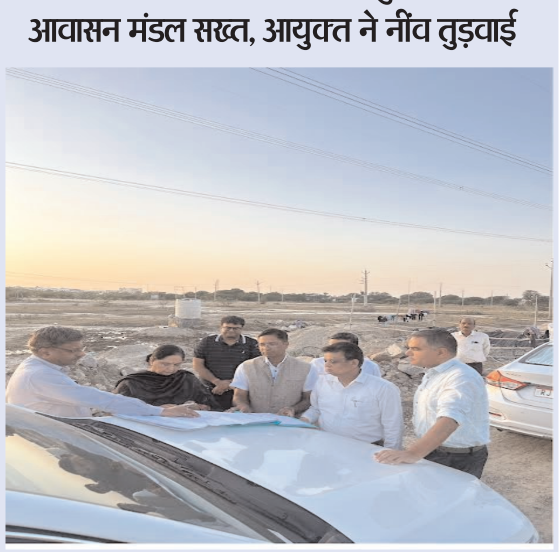

हमारा समाचार

जयपुर। राजस्थान आवासन मण्डल आवासीय निर्माण की गुणवत्ता को लेकर पूरी तरह गंभीर है। इसी क्रम में आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने जयपुर के महला क्षेत्र में निर्माणाधीन आवासीय परियोजना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कुछ आवासों की नींव में गुणवत्ता मानकों का पालन न होने पर मौके पर ही जेसीबी से नींव ध्वस्त करवाने के निर्देश दिए। डॉ. शर्मा ने अभियंताओं, अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को चेताया कि कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा सभी 365 आवासों का निर्माण जून 2026 तक पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि मण्डल का उद्देश्य आमजन को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और योजनाबद्ध आवास उपलब्ध कराना है। महला आवासीय योजना के अंतर्गत ईडब्ल्यूएस, एलआईजी और एमआईजी वर्गों के लिए बन रहे ये आवास निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के परिवारों को आवासीय सुविधा प्रदान करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

कर्मचारियों ने कलेक्टर से की साप्ताहिक अवकाश लागू करने की मांग

व्यापारियों पर श्रम कानूनों की अनदेखी के आरोप

हमारा समाचार

जालोर। जिले के कर्मचारियों के संगठन ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर शहर के व्यापारिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत श्रमिकों को श्रम कानूनों के तहत साप्ताहिक अवकाश दिलाने की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि जालोर जनरल मर्चेंट एसोसिएशन के कुछ व्यापारी श्रम कानूनों की खुली अवहेलना कर रहे हैं। 12 से 15 घंटे तक काम करने की मजबूरी कर्मचारियों ने बताया कि पहले माह के अंतिम रविवार को अवकाश दिया जाता था, लेकिन अब कई व्यापारी इसकी अनुमति नहीं दे रहे हैं। वर्तमान में श्रमिकों को 12 से 15 घंटे तक काम करना पड़ रहा है, जबकि राज्य सरकार के श्रम कानूनों के अनुसार अधिकतम कार्य समय 9 से 10 घंटे प्रतिदिन तय है। छुट्टी न मिलना अमानवीय बताया संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि हम भी सामाजिक प्राणी हैं, हमारे परिवार और बच्चे हैं। माह में एक दिन की भी छुट्टी न मिलना अमानवीय है। उन्होंने बताया कि 5 सितंबर 2023 और 15 अप्रैल 2025 को भी कलेक्टर और श्रम विभाग को ज्ञापन दिए गए थे, जिसके बाद 27 अप्रैल 2025 को कार्यवाही हुई, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकला। अन्य शहरों में है नियमित अवकाश व्यवस्था कर्मचारियों ने बताया कि मीनाखेड़ा, सांचौर, जोधपुर, सुमेरपुर और शिवगंज जैसे शहरों में व्यापार मंडलों द्वारा साप्ताहिक अवकाश नियमित रूप से रखा जाता है। जालोर में भी यह व्यवस्था पूर्व में थी, लेकिन हाल के वर्षों में बंद कर दी गई है। कलेक्टर से ठोस कार्यवाही की मांग कर्मचारियों ने जिला कलेक्टर से श्रम कानूनों का पालन सुनिश्चित करवाने और व्यापारिक प्रतिष्ठानों के अध्यक्ष को निर्देशित करने की मांग की है कि व्यापारियों की बैठक आयोजित कर इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के मानद विश्वविद्यालय की स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण

हमारा समाचार

जयपुर। जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में मानद विश्वविद्यालय के रूप में स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गुरुवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने भगवान धन्वंतरि के पूजन के साथ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पाँच वर्ष पूर्व माननीय प्रधानमंत्री द्वारा संस्थान को मानद विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया था, जो सम्पूर्ण आयुर्वेद जगत के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने बताया कि संस्थान ने आयुर्वेद चिकित्सा, अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है तथा क्यूसीआई रैंकिंग में लगातार दूसरे वर्ष देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में पूरणमल रैगर (कार्यालय सहायक), कविता दाधिच (नर्सिंग अधिकारी) एवं तेजेन्द्र यादव (एमटीएस) शामिल रहे। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक जे.पी. शर्मा, उपनिदेशक चन्द्रशेखर शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी मोहनलाल मीणा सहित अनेक शिक्षक, चिकित्सक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने धौलपुर विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में ईएफ कार्य का किया अवलोकन

हमारा समाचार

धौलपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य जिले में जारी है। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ घर-घर जाकर ईएफ (एन्युमरेशन फॉर्म) वितरण कर रहे हैं। उपजिला निर्वाचन अधिकारी हरिराम मीना ने धौलपुर विधानसभा क्षेत्र में पुरानी छावनी के भाग संख्या 92 एवं मौहल्ली का पुरा के भाग संख्या 98 पर बीएलओ द्वारा वितरित किये जा रहे ईएफ कार्य का अवलोकन किया। उपजिला निर्वाचन अधिकारी ने धौलपुर विधानसभा क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर बीएलओ द्वारा वितरित ईएफ कार्य को देखा और मतदाताओं के घर पहुंचकर उन्हें विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने ईआरओ और बीएलओ से भी आवश्यक जानकारी लेकर निर्धारित समयावधि में उक्त कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

किर्लोस्कर ऑयल इंजन्स की एकल शुद्ध बिक्री दूसरी तिमाही में 1,500 करोड़ रुपये के पार

हमारा समाचार

पुणे। किर्लोस्कर ऑयल इंजन्स लिमिटेड (केओईएल) (बीएसईः 533293; एनएसईः किर्लोसेंग), जो इंजन, जनरेटर सेट और कृषि उपकरण निर्माण में अग्रणी है, ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही और छह महीनों के अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम घोषित किए।अ कंपनी ने पहली बार किसी तिमाही में 1,500 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व हासिल किया और पहली छमाही में 3,027 करोड़ रुपये की अब तक की सबसे ऊंची बिक्री दर्ज की। प्रबंध निदेशक गौरी किर्लोस्कर ने कहा कि यह कंपनी की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। सभी खंडों में दोहरे अंकों की वृद्धि कंपनी की मजबूत बाजार स्थिति और परिचालन उत्कृष्टता को दर्शाती है। पावर जनरेशन बिजनेस यूनिट ने उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखा।

जिला स्तरीय कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताऐं सम्पन्न

हमारा समाचार

धौलपुर। राज्य परियोजना निदेशक राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के निर्देशानुसार कस्तुरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की जिला स्तरीय क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का समापन बुधवार को अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा जितेन्द्र सिंह जादौन की अध्यक्षता में हुआ। आयोजन में जूनियर एवं सीनियर वर्ग में कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, बेडमिन्टन, रस्साकसी, जूड़ो, एथलेटिक्स एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में नाटक मंचन, नृत्य, गायन, विचित्र भेषभूशा आदि का आयोजन किया गया। अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा जीतेन्द्र सिंह जादौन ने प्रतियोगिता के माध्यम से बालिकाओं को खेल, खेल भावना से खेलने, आपसी समन्वयक एवं सहभागिता अपनाने एवं सहयोग की भावना विकसित करने की बात कही। सहायक परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा विशाल कुमार गुप्ता ने प्रतियोगिता का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। जूनियर वर्ग की प्रतियोगिताओं का यह रहा परिणाम-एथलेटिक्स में कस्तुरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय मरेना प्रथम, प्रेरणानगर द्वितीय एवं हांसई तृतीय, जूड़ो में प्रेरणानगर प्रथम, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रेरणानगर प्रथम, मोठियापुरा व मरेना द्वितीय, हांसई तृतीय, कबड्डी में मरेना प्रथम, हांसई द्वितीय, प्रेरणानगर तृतीय, खो-खो में मरेना प्रथम, हांसई द्वितीय, प्रेरणानगर तृतीय, रस्सा कसी में मरेना प्रथम, प्रेरणानगर द्वितीय, वॉलीबॉल में हांसई प्रथम, प्रेरणानगर द्वितीय, वेडमिन्टन में प्रेरणानगर प्रथम, मरेना द्वितीय। सीनियर वर्ग की प्रतियोगिताओं का यह रहा परिणाम-एथलेटिक्स में कस्तुरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय हांसई प्रथम, प्रेरणानगर द्वितीय एवं मोठियापुरा तृतीय, जूडो में प्रेरणानगर प्रथम, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हांसई प्रथम, मोठियापुरा द्वितीय, प्रेरणानगर तृतीय, कबड्डी में प्रेरणानगर प्रथम, हांसई द्वितीय, मरेना तृतीय, खो-खो में मरेना प्रथम, मोठियापुरा द्वितीय, हांसई तृतीय, रस्सा कसी में हांसई प्रथम, मोठियापुरा द्वितीय, वॉलीबॉल में हांसई प्रथम, मोठियापुरा द्वितीय, वेडमिन्टन में हांसई प्रथम, प्रेरणानगर द्वितीय। कार्यक्रम अधिकारी समग्र शिक्षा राजेन्द्र प्रसाद शर्मा द्वारा व्यवस्थाओ पर प्रकाश डाला एवं समापन पर सभी का आभार व्यक्त किया।

ट्रेनों के ठहराव के लिए तरसता सांभर रेलवे स्टेशन 7 से 8 वर्षों से लगातार मांग फिर भी अभी तक नहीं मिला ट्रेनों का ठहराव

हमारा समाचार

सांभरलेक। मरुधरा की धरती पर बसा एक ऐतिहासिक और पर्यटन वह धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण सांभरलेक वैसे तो किसी पहचान का मोहताज नहीं लेकिन सांभर रेलवे स्टेशन का दुर्भाग्य है की यहाँ पर लंबी दूरी की ट्रेनो का ठहराव नहीं होने से यहां के स्थानीय लोगों को काफी परेशानी सामना करना पड़ता है सांभर मे यात्रियों का आवागमन लगा रहता है लेकिन सांभर रेलवे स्टेशन लंबे समय से अनदेखी का शिकार बना हुआ है। सांभर रेलवे स्टेशन पर जरुरी गाड़ियों का ठहराव नहीं होने के कारण सांभर व आस पास के गावों की आम जनता को रेलवे से यात्रा करने के लिए फुलेरा जंक्शन जो 8 किलोमीटर पड़ता है वहा से यात्रियों को बैठना और उतरना पड़ता हैं। जिससे उन्हें काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता हैं। सांभर रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन हजारों यात्री अन्यत्र यात्रा करते हैं। जिसके लिए सैकड़ो बार रेलवे प्रशासन वह प्रतिनिधियों से सांभर लेक रेलवे स्टेशन पर ट्रेनें रोकने हेतु मांग भी की जा चुकी है। लेकिन सांभर लेक के रेल यात्रियों का दुर्भाग्य है की उनकी रेल यात्री सुविधाओं की ओर ध्यान देने वाला ना तो कोई रेल अधिकारी है और ना ही कोई सक्रिय जनप्रतिनिधि आज तक नही मिल पाया है जो उनकी छोटी छोटी मांगों को पूरा करा सके। जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता का ही परिणाम है की सांभर मे ट्रेनों का स्टॉपेज नही हो पाया है। जबकि सांभर से छोटे और उसके समकक्ष स्टेशन पर उनका स्टॉपेज उनके जनप्रतिनिधियों ने अपनी सक्रियता के दम पर करा दिया है। सांभर लेक उत्तर पश्चिम रेलवे जोधपुर डिविजन का महत्वपूर्ण स्टेशन है सांभर में यात्रियों का आवागमन लगा रहता है और अब तक सांभर रेलवे स्टेशन को जो रेल यात्री सुविधाएं मिलनी थी उसके लिए अभी भी संघर्ष करने विवश होना पड़ रहा है। क्योंकि काफी लंबे समय से सांभर में विगत 7 से 8 वर्षों से लगातार ट्रेनों के ठहराव की मांग की जा रही है और वर्तमान में नगर पालिका अध्यक्ष, सांसद, रेलमंत्री, प्रधानमन्त्री सभी एक ही राजनैतिक दल के हैं उसके बाद भी सांभर की जनता को रेल की सुविधाओं में इजाफा नही हो पा रहा है।यात्रियों का कहना है कि रेलवे स्टेशन पर पर्याप्त यात्री भार और राजस्व होने के बावजूद रेलवे द्वारा यहां आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। रेलवे स्टेशन पर लंबे समय से चली आ रही जयपुर जोधपुर एक्सप्रेस ,बाड़मेर जम्मू तवी शालीमार एक्सप्रेस, बाड़मेर मथुरा एक्सप्रेस तथा बीकानेर बिलासपुर और जैसलमेर दिल्ली रुणिचा एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों के ठहराव की मांग अब तक पूरी नहीं हुई है जिसके चलते यात्रियों को इन ट्रेनों से सफर करने के लिए फुलेरा या जयपुर जाकर बैठना पड़ता है। इससे यात्रियों का अनावश्यक समय एवं धन की बर्बादी होती है। । यात्रियों ने बताया कि सांभर रेलवे स्टेशन पर ठहराव हो जाता है तो न केवल रेलवे की राजस्व आय बढ़ेगी बल्कि यात्रियों को भी इसका फायदा मिलेगा। है। उपेक्षा का शिकार सांभर रेलवे स्टेशन।

जोधपुर जयपुर रूट पर जब भी कोई रेलवे का प्रपोजल जैसे नई ट्रेन चलाने गाड़ी का ठहराव विस्तार तथा फेरे बढ़ाने जैसे प्रस्ताव पर नावा कुचामन रेन तथा छोटे स्टेशनों को ही प्राथमिकता दी जाती रही है जो की सांभर के लोगो से साथ घोर अन्याय है रेलवे सुविधाओं व रेल नीति के हिसाब से पर्याप्त यात्री होने के बावजूद रेलवे अधिकारी इसकी अनदेखी कर रहे हैं। अधिकारियों की अनदेखी का खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है।आखिर कब मिलेगा सांभर लेक स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव

सांभर स्टेशन पर इन जरूरी ट्रेनों की ठहराव की मांग

गाड़ी संख्या 22977-78 जयपुर जोधपुर एक्सप्रेस

गाड़ी संख्या 14661-62बाड़मेर जम्मू तवी शालीमार एक्सप्रेस

गाड़ी संख्या 20489-90 बाड़मेर मथुरा एक्सप्रेस

गाड़ी संख्या 20843-44 भगत की कोठी बिलासपुर

गाड़ी संख्या 14087-14088जैसलमेर दिल्ली रुणिचा एक्सप्रेस

सम्पादकीय

"मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो
विस्तारस्वतंत्रता का हनन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार"

धमाके के दो दिन बाद भी सुलगता सवाल

दिल्ली में लालकिला के पास कार धमाका हुआ, जिसमें कई वाहन और लोग प्रभावित हुए। कारणों की जांच जारी है। यह घटना राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था में खामियों और आतंकवादी खतरे की चेतावनी देती है। यूपीएए और विस्फोटक अधिनियम के तहत जांच शुरू कर दी गई है।

राजधानी दिल्ली में लालकिला के पास एक कार में हुए धमाके की घटना ने एक बार फिर यहां की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंताजनक सवाल खड़ा किया है, वहीं इस बात को लेकर एक आशंका खड़ी हो रही है कि क्या आतंकवादी संगठनों ने दोबारा अपने पांव फैलाने शुरू कर दिए हैं। हालांकि कार में हुए धमाके को लेकर फिलहाल कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है कि विस्फोट का कारण क्या था, इसलिए इसके पीछे की मंशा के बारे में तभी कुछ ठोस सामने आ सकेगा, जब सरकार की ओर से कराई जाने वाली जांच की आधिकारिक रपट कोई संकेत करेगी। मगर धमाके का स्वरूप और उससे होने वाले नुकसान का जो दायरा दिखा, वह बेहद चिंताजनक है। इसमें किसी व्यापक साजिश की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि सोमवार की शाम एक कार में हुए विस्फोट के बाद आसपास खड़े कई अन्य वाहन उसकी जद में आ गए और कई लोगों की जान चली गई। घटना स्थल से जानमाल के नुकसान के जैसे ब्योरे सामने आए, वे किसी बड़े आतंकवादी हमले या बम विस्फोट की तस्वीर से ज्यादा अलग नहीं थे। जाहिर है, अब देश की जांच एजंसियां इस धमाके के बारे में विस्तृत पड़ताल कर सच्चाई का पता लगाएंगी। फिलहाल जांच के बिंदु में सभी कोण शामिल होने चाहिए, क्योंकि देश की राजधानी में हुई यह घटना बेहद संवेदनशील है और कई तरह के खतरों का संकेत भी हो सकती है। यही वजह है कि इस मामले में यूएपीए, विस्फोटक अधिनियम और अन्य सख्त धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच का दायरा व्यापक रखा गया है। निश्चित रूप से इस धमाके की सभी कड़ियों की पड़ताल कर दोषियों को सजा के अंजाम तक पहुंचाने की जरूरत है, मगर सवाल यह भी उठता है कि राजधानी होने के नाते सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से सबसे चौकस और बेहतर मानी जाने वाली दिल्ली में इतनी बड़ी घटना हो गई और सुरक्षा एजंसियों को इसके बारे में कोई अंदाजा तक नहीं हुआ, तो यह किसकी नाकामी है! इस घटना के तार एक दिन पहले आतंकी तंत्र के एक हिस्से के खुलासे के तहत फरीदाबाद में गिरफ्तार किए गए लोगों के साथ जुड़े होने की आशंका भी जताई जा रही है। लेकिन कार में धमाके की वजह अगर कोई विस्फोटक था, तो उसे वाहन में लेकर कोई व्यक्ति बिना किसी रोकटोक के सड़क पर कैसे चलता रहा और क्या यह देश की खुफिया एजंसियों की कार्यशैली के चिंताजनक पहलू को नहीं दर्शाता है! सबसे अहम है दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था को चौतरफा चाकचौबंद बनाना, ताकि यहां के लोगों को अतीत की वैसी त्रासदी का सामना फिर से करने की नौबत कभी न आए, जब यहां सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे और उसमें कई लोग मारे गए। आतंकी हमलों के वैसे दौर की वापसी न हो, इसके लिए सरकार को हर जरूरी कदम उठाने चाहिए। खासतौर पर किसी अंतरराष्ट्रीय साजिश के पहलू से इस घटना की गहन छानबीन होनी चाहिए। सिर्फ दावे करने भर से आतंकवाद का खात्मा होना मुमकिन नहीं है। जम्मू-कश्मीर में आज भी आतंकियों की घुसपैठ और हमले की कोशिशें बताती हैं कि देश में आतंकवाद आज भी एक ऐसी चुनौती है, जिसे लेकर थोड़ी भी लापरवाही की बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। सरकार की सबसे जरूरी प्राथमिकता यहां के आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना होना चाहिए। इसके लिए खुफिया एजंसियों सहित सुरक्षा व्यवस्था के सभी मोर्चों पर निरंतर चौकस रहने की जरूरत है।

आतंक का नया रूप, पूरा नेटवर्क कैसे होगा नाकाम?

अंतत: यह आशंका सच साबित हुई कि दिल्ली में लाल किले के निकट 10 लोगों की जान लेने वाला कार धमाका आतंकी घटना हो सकता है। विस्फोटक से लैस कार का चालक डाक्टर उमर मोहम्मद उन संदिग्ध आतंकियों का साथी निकला, जिनके ठिकानों से लगभग तीन हजार किलो विस्फोटक और घातक हथियार बरामद किए गए थे। आतंकी दिल्ली में जिस तरह 14 वर्षों बाद एक बड़ी घटना को अंजाम देने में सफल हो गए, उसने मोदी सरकार के साथ पुलिस, खुफिया संगठनों एवं आतंकवाद निरोधक एजेंसियों की चुनौती बढ़ा दी है। सुरक्षा एजेंसियां आतंकियों और उनके ठिकानों तक तो पहुंच गईं, लेकिन वे उनके पूरे नेटवर्क को नाकाम नहीं कर सकीं। केंद्र सरकार के कठोर रुख को देखते हुए इस पर भरोसा किया जा सकता है कि सुरक्षा एजेंसियां आखिरकार इस पूरे आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने में सक्षम होंगी, लेकिन समस्या केवल एक आतंकी नेटवर्क की नहीं है। हाल में कई ऐसे आतंकी नेटवर्क पकड़े गए हैं, जो देश के अलग-अलग हिस्सों में सक्रिय होकर की साजिश रच रहे थे। स्पष्ट है कि सुरक्षा एजेंसियों और विशेष रूप से आतंक निरोधक एजेंसियों को और अधिक सतर्कता का भी परिचय देना होगा और आपसी सहयोग का भी। कश्मीर के आतंकियों ने जिस तरह फरीदाबाद में ठिकाना बना लिया, उसे देखते हुए यह साफ है कि वे देश में कहीं पर और किसी भी रूप में छिपे हो सकते हैं। दिल्ली को दहलाने वाली घटना के लिए जिन आतंकियों को जिम्मेदार माना जा रहा है, उनके तार जिस तरह पाकिस्तान से जुड़ रहे हैं, उस पर हैरानी नहीं। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आतंकवाद के खिलाफ नई नीति के तहत क्या पाकिस्तान के खिलाफ नए सिरे से कोई कठोर कार्रवाई की जाएगी? यह प्रश्न इसलिए भी, क्योंकि आपरेशन सिंदूर अभी जारी है। नि:संदेह चुनौती केवल पाकिस्तान को सबक सिखाने की ही नहीं, इसकी भी है कि उसके उकसावे में आकर कश्मीर से लेकर केरल तक आतंक की राह पर चलने वालों पर कैसे लगाम लगे? यह चुनौती केवल सरकार के समक्ष ही नहीं, समाज और विशेष रूप से मुस्लिम समाज के सामने भी है। यह बड़े संकट का सूचक है कि डाक्टरी की पढ़ाई करने वाले भी आतंकी बनना पसंद कर रहे हैं। इससे आतंक एक नए रूप में उभर रहा है और यह बता रहा है कि मजहबी उन्माद कहीं व्यापक रूप में फैल गया है। इस गंभीर समस्या का सामना तब संभव है, जब सरकारी तंत्र के साथ मुस्लिम समाज का राजनीतिक, धार्मिक नेतृत्व यह देखने को तैयार होगा कि उसके पढ़े-लिखे युवा भी आतंक का पाठ क्यों पढ़ रहे हैं? नि:संदेह वह ऐसा तभी कर पाएगा, जब आतंक पर राजनीतिक रोटियां सेंकने वालों के बहकावे में नहीं आएगा। यह किसी से छिपा नहीं कि अपने देश में आतंकवाद पर कैसी सस्ती राजनीति की जाती है।

अभी खत्म नहीं हुआ आतंक के खिलाफ युद्ध

दिल्ली में लाल किले के पास हुए शक्तिशाली विस्फोट ने फिर याद दिला दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की जंग अभी खत्म नहीं हुई है। आपरेशन सिंदूर के कुछ ही महीने बाद यह आतंकी घटना इसकी पुष्टि करती है कि लड़ाई बस एक नए चरण में प्रवेश कर गई है। दुश्मन हालांकि कमजोर हो गया है, फिर भी वार करने में सक्षम है। चिंताजनक बात यह है कि लाल किले की आतंकी घटना की साजिश बहुत सावधानी से रची गई। विस्फोट से कुछ घंटे पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हरियाणा पुलिस के साथ मिलकर फरीदाबाद की दो रिहायशी इमारतों में लगभग 3,000 किलोग्राम विस्फोटक बरामद किया। इनमें 350 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट भी था। यह एक ऐसा उर्वरक होता है, जिसे आसानी से एक घातक बम में बदला जा सकता है। इस बरामदगी ने संभवत: एक और भी बड़ी त्रासदी को टाल दिया। आतंकवाद के इस कृत्य में डाक्टरों की संलिप्तता यह बताती है कि कट्टरपंथ अब विश्वविद्यालयों, अस्पतालों जैसी उन जगहों में भी घुस रहा है, जिन्हें कभी सुरक्षित माना जाता था। लाल किला विस्फोट कांड की शुरुआत बीते 27 अक्टूबर को हुई, जब श्रीनगर में जैश-ए-मोहम्मद के पोस्टर दिखाई दिए। सीसीटीवी फुटेज से पुलिस को डा. आदिल की पहचान करने में मदद मिली, जिसे बाद में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से गिरफ्तार किया गया। जब जांचकर्ताओं ने अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कालेज में उसके लाकर की तलाशी ली तो उन्हें वहां से एक असाल्ट राइफल मिली। उससे पूछताछ के दौरान पुलिस को फरीदाबाद में छिपे विस्फोटकों का एक जखीरा मिला, जिससे यह उजागर हुआ कि यह नेटवर्क कश्मीर से लेकर दिल्ली-एनसीआर तक व्यापक रूप से फैला हुआ है। इस नेटवर्क के तार भारत की सीमाओं से परे भी जुड़े रहे हैं। आतंकियों के हैंडलर पाकिस्तान में सक्रिय थे। इस मामले में एक अन्य आतंकी अल फलाह विश्वविद्यालय के डा. मुजम्मिल शकील को भी गिरफ्तार किया गया। विस्फोटकों से लदी कार भी एक डाक्टर उमर मोहम्मद चला रहा था। अधिकारियों के अनुसार संदिग्ध आत्मघाती हमलावर दिल्ली में घुस आया था और उसने गाड़ी एक मस्जिद के पास खड़ी कर दी थी। सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि जब कार खड़ी थी, तब वह एक बार भी उससे बाहर नहीं निकला। ऐसा लग रहा था कि वह या तो निर्देशों का इंतजार कर रहा था या अपने लक्षित लक्ष्य का। जांचकर्ताओं का मानना है कि फरीदाबाद में हुई गिरफ्तारियों से समूह में दहशत फैल गई होगी। फंसने का अहसास होने पर उमर मोहम्मद ने हताशा या घबराहट में बम विस्फोट कर दिया होगा। हो सकता है कि उसके संचालक ने उसे जिंदा पकड़े जाने के बजाय आत्मघाती हमला करने के लिए राजी किया हो। जो भी हो, यह किसी से छिपा नहीं कि चरमपंथी समूह युवा शिक्षित दिमागों को यह विश्वास दिलाकर प्रभावित करते हैं कि शहादत एक महान कार्य है। एक बार फिर सुराग पाकिस्तान की ओर इशारा कर रहे हैं। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ लश्कर-ए-तैयबा और इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रोविंस जैसे आतंकी समूहों को एक साथ लाने के लिए काम कर रही है। इसका उद्देश्य भारत में आतंकी गतिविधियों को पुनर्जीवित करना और जम्मू-कश्मीर से परे भी अशांति फैलाना है। दिल्ली में विस्फोट के समय से पता चलता है कि यह आपरेशन सिंदूर का बदला लेने के लिए था, जो भारत का सफल आतंकवाद-रोधी अभियान था। पाकिस्तान की नई आक्रामकता वैश्विक राजनीति से भी जुड़ी हुई प्रतीत होती है। हाल में उसने मध्य एशिया में अपनी स्थिति का रणनीतिक लाभ उठाकर अमेरिका के साथ रिश्ते फिर से बनाने में कामयाबी हासिल की है। जब भी पाकिस्तान को वैश्विक समर्थन मिलता है, वह उसका इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के जरिए भारत को उकसाने के लिए करता है। हालांकि आज भारत पहले जैसा नहीं रहा। आतंकवाद के प्रति उसकी प्रतिक्रिया अब धीमी या रक्षात्मक नहीं रही। आपरेशन सिंदूर इसका प्रमाण था कि भारत आत्मविश्वास और सटीकता के साथ कार्रवाई करने के लिए तैयार है, फिर भी लाल किला विस्फोट दर्शाता है कि आतंकियों ने भी अपने तरीके बदल लिए हैं। अब वे छोटे, छिपे हुए ठिकानों में काम करते हैं और आम जिंदगी में घुल-मिल जाते हैं, जिससे पुलिस के लिए समय रहते उनका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। भविष्य में ऐसे हमलों को रोकने के लिए कड़ी सतर्कता की आवश्यकता है। सुरक्षा, सतर्कता केवल जम्मू-कश्मीर या दिल्ली जैसे बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि पूरे देश में होनी चाहिए। आतंकियों के पास से बरामद विस्फोटकों की विशाल मात्रा विनाश के संभावित पैमाने को उजागर करती है। इससे इस आशंका को बल मिलता है कि कई समन्वित विस्फोटों की योजना बनाई गई हो सकती है। इसलिए खुफिया नेटवर्क को मजबूत करना, शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में निगरानी कड़ी करना और अंतर-एजेंसी समन्वय में सुधार करना महत्वपूर्ण है। कूटनीतिक मोर्चे पर भारत को खुद को आतंकवाद के शिकार के रूप में पेश करते हुए गुप्त रूप से उसका समर्थन करने वाले पाकिस्तान के दोहरे खेल का पर्दाफाश करना भी जारी रखना चाहिए। जो देश अभी भी पाकिस्तान को आतंकवाद रोधी सहयोगी मानते हैं, उन्हें उसके वास्तविक रिकार्ड की याद दिलानी चाहिए। भारत को संयुक्त राष्ट्र, जी-20 और एफएटीएफ जैसे वैश्विक मंचों का उपयोग आतंकवाद को पनाह देने या उसे वित्तपोषित करने वाले देशों के खिलाफ सख्त अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई के लिए दबाव बनाने के लिए करना चाहिए। भारत को अपने अगले कदमों की योजना बनाते समय तत्काल सैन्य या जवाबी कार्रवाई से आगे बढ़ना चाहिए। आज आतंकवाद-निरोध के लिए बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता है, जिसमें मजबूत कूटनीति, उन्नत रक्षा और खुफिया प्रणालियां, आंतरिक सामाजिक सामंजस्य और सबसे बढ़कर, अटूट राजनीतिक इच्छाशक्ति शामिल है। लाल किले की घटना इसकी भी याद दिलाती है कि खतरा अभी भी हमारे बीच छिपा है और कमजोरी तथा विभाजन के क्षणों का इंतजार कर रहा है। यह लड़ाई सिर्फ पुलिस, सशस्त्र बलों या खुफिया एजेंसियों की नहीं, बल्कि हर भारतीय की लड़ाई है। सरकार और विपक्ष को एक साझा उद्देश्य के साथ मिलकर काम करना चाहिए, राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीति से ऊपर रखना चाहिए। नागरिकों को भी देश को अंदर से कमजोर करने वाली नफरत और गलत सूचनाओं के खिलाफ सतर्क, जिम्मेदार और एकजुट रहना चाहिए।

> "यह लड़ाई सिर्फ पुलिस, सशस्त्र बलों या खुफिया एजेंसियों की नहीं, बल्कि हर भारतीय की लड़ाई है। सरकार और विपक्ष को एक साझा उद्देश्य के साथ मिलकर काम करना चाहिए, राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीति से ऊपर रखना चाहिए। नागरिकों को भी देश को अंदर से कमजोर करने वाली नफरत और गलत सूचनाओं के खिलाफ सतर्क, जिम्मेदार और एकजुट रहना चाहिए।

सरकारी नौकरी के मोह को लेकर माइंड सेट बदलें युवा

पिछले दिनों राजस्थान में चतुर्थ श्रेणी के 53,749 पदों के लिए भर्ती परीक्षा हुई। आश्चर्यजनक रूप से 24.75 लाख अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें पी.एचडी, बी-टेक, पोस्ट ग्रेजुएट, एमबीए, एम.एससी जैसी डिग्री हासिल कर चुके युवा शामिल थे। कुछ तो ऐसे भी थे, जो राजस्थान एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस (आरएएस) की प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण हो चुके थे। कमाल की बात यह है कि इन पदों के लिए आवेदन करने वाले 75-90 प्रतिशत अभ्यर्थी ओवर क्वालिफाइड थे। बड़ी डिग्रियां हासिल करने के बावजूद आखिरकार चतुर्थ श्रेणी की नौकरी करने की क्या मजबूरी है? इसका जवाब पद में नहीं सरकारी शब्द में छिपा है। दरअसल, भारत में सरकारी नौकरी का क्रेज वेतन या सुविधाओं का सवाल नहीं है, यह समाज की गहरी मानसिकता, सुरक्षा की चाह और सामाजिक मान्यता का प्रतीक बना हुआ है। सभी राज्यों में लाखों युवा सरकारी नौकरी के सपने को पाने के लिए दिन-रात संघर्ष कर रहे हैं। निजी सेक्टर भले तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन सरकारी नौकरी सपनों की मंजिल बनी हुई है इतिहास में झांकें तो राजशाही के समय राज-दरबार या राजा की सेना में सरकारी नौकर होते थे। ब्रिटिशकाल के समय सरकारी अफसर होना समाज में प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया। तब सरकारी तंत्र ही रोजगार का सबसे बड़ा साधन था। निजी उद्योग सीमित थे और जोखिम भरे माने जाते थे। पेंशन और सुरक्षा सरकारी नौकरी की सबसे बड़ी गारंटी थी। साथ ही, निजी क्षेत्र में नौकरी छूटने का डर हमेशा बना रहता है, जबकि सरकारी नौकरी में एक बार चयन हो गया तो निकालना लगभग असंभव होता है। सरकारी नौकरी में समय पर वेतन, महगाई भत्ता, मकान भत्ता, चिकित्सा सुविधा और सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन जैसी योजनाएं कर्मचारी और

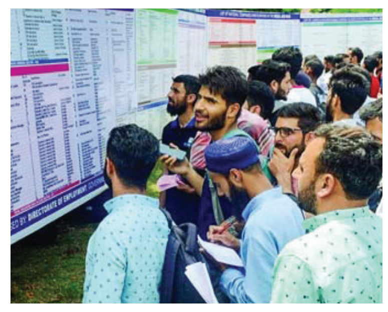

परिवार दोनों को सुरक्षित करती हैं। कोविड महामारी के दौरान लोगों ने सरकारी नौकरी के फायदों को बहुत अच्छी तरह से महसूस किया।

क्या कहता है मनोविज्ञान?-मनोविज्ञान भी कहता है कि करियर चुनना केवल पैसों से तय नहीं होता, बल्कि यह व्यक्ति की मूलभूत जरूरतों एवं सामाजिक परिवेश से भी प्रभावित होता है। मनुष्य का मन सदैव अनिश्चितता से डरता है और सरकारी नौकरी इस डर को दूर करती है। सरकार नौकरी आत्मसम्मान और सामाजिक पहचान की जरूरत को पूरा करती है। फिर बचपन से अभिभावक या समाज बच्चों को सरकारी अफसर या टीचर बनना सिखाते हैं। यह सामाजिक प्रोग्रामिंग युवाओं के मन में गहराई से बैठ जाती है। सरकारी नौकरी को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़कर भी देख सकते हैं। गांवों या छोटे कस्बों में सरकारी नौकरी वाला व्यक्ति बड़ा बाबू या अफसर कहलाता है। शादी के लिए भारतीय परिवार आज भी सरकारी नौकरी को प्राथमिकता देते हैं फिर जीवन और कार्य संतुलन में भी सरकारी नौकरी निजी क्षेत्र के मुकाबले अधिक आकर्षक होती है। निजी कंपनियों में 10-12 घंटे काम करना आम बात है, जबकि सरकारी नौकरियों में कार्य समय अपेक्षाकृत नियंत्रित होता है और छुट्टियों का प्रावधान भी बेहतर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर युवाओं से रोजगार देने वाला बनने की वकालत करते हैं। वो युवाओं से आत्मनिर्भर होने पर जोर देते हैं, क्योंकि सरकारें जानती हैं कि सभी युवाओं को सरकारी नौकरी नहीं दी जा सकती है। केंद्र सरकार के पास नौकरियां समिति हैं। मार्च 2025 के आंकड़ों को देखें तो केंद्र सरकार में 35 लाख कर्मचारी थे। केंद्र और राज्यों में सरकारी नौकरियों की संख्या को जोड़ भी लें तो यह 1.5 करोड़ से अधिक नहीं है। फिर भी सरकारी नौकरी की लालसा ने शहर-शहर कोचिंग सेंटर खुलवा दिए हैं। करीब-करीब सभी छोटे-बड़े शहरों में कोचिंग उद्योग खड़ा हो गया है। हर साल करोड़ों युवा इन कोचिंग सेंटर्स पर अपने जीवन के कई सौ घंटे बिताते हैं। अधिकांश छात्र परीक्षा में असफल रहते हैं, फिर भी वो सालों-साल तैयारी में जुटे रहते हैं। भारत में पढ़े-लिखे बेरोजगार युवाओं की लगातार बढ़ती संख्या निश्चित रूप से सरकारों के लिए परेशानी का सबब बन रही है, क्योंकि सभी को रोजगार नहीं दिया जा सकता। यह बात युवाओं को भी पता है। आज आवश्यकता युवाओं को अपना माइंड सेट बदलने की है।

जलवायु परिवर्तन: भारत-चीन निभा रहे जिम्मेदारी

जलवायु परिवर्तन से उपजे संकट से निपटने के लिए वर्ष 2015 में वैश्विक स्तर पर पेरिस में एक महत्त्वपूर्ण समझौता हुआ था। इसका मुख्य लक्ष्य वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना था। मगर इस समझौते में जताई गई प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रयास होते नजर नहीं आ रहे हैं। हालांकि, विकासशील देश इस दिशा में आगे बढ़ने का इरादा रखते हैं, लेकिन वित्तीय और तकनीकी चुनौतियां उनकी राह में रोड़े अटका रही हैं। इसके बावजूद भारत और चीन जैसे देश पेरिस समझौते के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाने की कोशिश कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन पर शुरू हुई 'संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन' की 30वीं वार्षिक बैठक में इन दोनों देशों की परिवर्तनकारी भूमिका की सराहना की गई। साथ ही कहा गया कि इन देशों ने जलवायु कार्रवाई को स्पष्ट तरीके से अपनाया है और वे दुनियाभर में स्वच्छ प्रौद्योगिकियों की लागत कम करने में मदद कर रहे हैं। दरअसल, पेरिस समझौते में तय हुआ था कि विकसित देश जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विकासशील देशों की वित्तीय और तकनीकी रूप से मदद करेंगे। मगर संयुक्त राष्ट्र की हाल की एक रपट बताती है कि यह वित्तीय मदद लगातार घट रही है। विकासशील देशों को वर्ष 2035 तक अपने लक्ष्यों को पाने के लिए हर साल 365 अरब डालर की जरूरत है, लेकिन वर्ष 2023 में इन देशों को केवल 26 अरब डालर की अंतरराष्ट्रीय सहायता मिल पाई, जो वर्ष 2022 के 28 अरब डालर से भी कम है। सवाल है कि विकसित देशों ने अपने वादे के अनुसार विकासशील देशों को पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान करने से अपने कदम पीछे क्यों खींच लिए हैं? हो सकता है कि इन देशों को इसमें निजी हित नजर नहीं आ रहे हों, लेकिन उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में उनका योगदान सबसे ज्यादा है। इस लिहाज से विकासशील देशों की वित्तीय मदद और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को अपनाने में उनका तकनीकी तौर पर सहयोग करना विकसित देशों की नैतिक जिम्मेदारी है।

बिहार : यहां की राजनीति के सामने एग्जिट पोल भी हो जाते हैं असहाय

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 / एग्जिट पोल / सीटें: 243 / बहुमत: 122

एजेंसी	भाजपा+	राजद+	जन सुराज	अन्य
मैट्रिज आईएएनएस	147-167	70-90	0-2	2-8
पीपल्स पल्स	133-159	75-101	0-5	2-8
जेवीसी पोल	135-150	88-103	0-1	3-6
पीपल्स इनसाइट	133-148	87-102	0-2	2-8
चाणक्य स्ट्रैटजीज	130-138	100-108	--	2-3
पोलस्ट्रैट	133-148	87-102	--	3-5

भारतीय लोकतंत्र के हृदय कहे जाने वाले बिहार में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, जातीय समीकरणों और क्षेत्रीय आकांक्षाओं के संगम का जीवंत प्रदर्शन हैं। यही कारण है कि हर विधानसभा चुनाव के बाद बिहार के एग्जिट पोल देशभर के राजनीतिक विमर्श का केंद्र बन जाते हैं, लेकिन हर बार यह प्रश्न भी उठता है कि क्या ये सर्वेक्षण वास्तव में बिहार की जटिल सामाजिक वास्तविकता को समझ पाते हैं या केवल आंकड़ों और आकलनों की सीमाओं में उलझकर रह जाते हैं। बिहार में एग्जिट पोल का इतिहास विरोधाभासों से भरा रहा है। कभी अभूतपूर्व सटीकता का उदाहरण तो कभी पूर्णत: विफल पूर्वानुमान। जब राज्य में जनभावनाओं की दिशा स्पष्ट रही, तब सर्वेक्षणों ने अद्भुत सटीकता दिखाई, लेकिन जैसे ही मुकाबला कड़ा हुआ और जातीय-सामाजिक समीकरण निर्णायक बने, पोल्स की सारी गणनाएं ध्वस्त हो गईं। वर्ष 2005 और 2010 के विधानसभा चुनावों को उदाहरण के रूप में देखें तो एग्जिट पोल ने अपनी विश्लेषणात्मक क्षमता सिद्ध की थी। वर्ष 2005 में लालू प्रसाद यादव के पंद्रह वर्षों के शासन से जनता का मोहभंग स्पष्ट था। सर्वेक्षणों ने नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले एनडीए की वापसी का सटीक अनुमान लगाया, जो परिणामों में भी सत्य साबित हुआ।

वर्ष 2010 में सुशासन और विकास का नारा जातीय सीमाओं से ऊपर उठ गया था। पोल्स ने एनडीए की प्रचंड जीत का अनुमान लगाया और नतीजों ने उसकी पुष्टि की। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रीय अपील और पुलवामा के बाद उपजे राष्ट्रवादी माहौल ने बिहार में एनडीए को लगभग सभी सीटें दिलाईं, जिसे सर्वेक्षणों ने सटीकता से भांप लिया। हालांकि, जब बिहार की राजनीति अपने पारंपरिक असंतुलन और जातीय जटिलताओं में लौटती है तो एग्जिट पोल के समीकरण बिखर जाते हैं। वर्ष 2015 का विधानसभा चुनाव इसकी सबसे बड़ी मिसाल है। लगभग सभी एजेंसियों ने भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए को स्पष्ट बढ़त दी थी, कुछ ने तो बहुमत तक का दावा किया, लेकिन परिणामों में जनता दल (यू), राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के महागठबंधन ने 178 सीटें जीतकर इन धारणाओं को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। पोल एजेंसियां यह समझ नहीं सकीं कि लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार के साझा नेतृत्व ने सामाजिक न्याय की वह एकजुटता पैदा कर दी थी, जिसने सत्ता परिवर्तन का आधार रचा। वर्ष 2020 का चुनाव एक बार फिर सर्वेक्षणों की विश्वसनीयता पर भारी पड़ा। लगभग सभी एग्जिट पोल्स ने तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले महागठबंधन को स्पष्ट बहुमत की ओर दिखाया, जबकि परिणामों में नीतीश कुमार और भाजपा के गठबंधन ने 125 सीटें जीतकर सत्ता में वापसी की। एग्जिट पोल 15-20 सीटों के औसत अंतर से गलत साबित हुए। यह गलती केवल पद्धतिगत नहीं थी, बल्कि बिहारी समाज की उस गहराई तक न पहुंच पाने की विफलता थी, जहां असली जनमत आकार लेता है। वर्ष 2020 के चुनाव में मौन मतदाता वर्ग निर्णायक सिद्ध हुआ, विशेषकर महिलाएं। नीतीश कुमार की शराबबंदी, साइकिल योजना और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं ने ग्रामीण महिला मतदाताओं में भरोसा जगाया, लेकिन सर्वेक्षणकर्ता इस वर्ग तक पहुंच ही नहीं सके। महिलाएं प्राय: अपनी राजनीतिक पसंद साझा करने से बचती हैं, जिसके कारण यह पूरा वर्ग आंकड़ों से बाहर रह गया। यही मौन वोट अंतत: एनडीए के पक्ष में गया और परिणामों की दिशा बदल दी। दूसरी प्रमुख गलती सामाजिक समीकरणों के गलत आकलन की रही। पोल एजेंसियों ने तेजस्वी यादव की रैलियों में उमड़ी भीड़ को जनमत का संकेत मान लिया। मुस्लिम-यादव (एम-वाई) समीकरण और युवाओं के उत्साह को उन्होंने जीत का आधार समझ लिया, जबकि एनडीए के प्रति अति-पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) और दलित समुदाय का वफादार समर्थन निर्णायक साबित हुआ। यह परंपरागत वोट बैंक पोल्स की दृष्टि से ओझल रहा। बिहार की राजनीति में कई बार वे मतदाता निर्णायक साबित होते हैं जो दिखाई नहीं देते, पर मतदान के दिन परिणाम तय कर देते हैं। तीसरी चुनौती कोविड-19 महामारी रही। सीमित पहुंच, घटे सैंपल साइज और सामाजिक दूरी ने सर्वेक्षणों की जमीनी पकड़ कमजोर कर दी। ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाता बातचीत से परहेज करते रहे, जिससे आंकड़ों में शहरी पक्षपात बढ़ गया। परिणामस्वरूप, एकत्रित नमूना न तो भौगोलिक रूप से संतुलित था, न ही सामाजिक रूप से प्रतिनिधिक। विस्तृत परिप्रेक्ष्य में देखें तो एक्ज़िट पोल की सीमाएं बिहार तक सीमित नहीं हैं। ये सर्वेक्षण कई स्थायी कमियों से ग्रस्त हैं। सीमित नमूने पर आधारित डाटा पूरे राज्य की विविधता का प्रतिनिधित्व नहीं कर पाता। मतदाता प्राय: सर्वेक्षकों के सामने अपनी वास्तविक पसंद छिपा लेते हैं, विशेषकर तब जब जातीय या धार्मिक झुकाव को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करना असहज होता है। परिणामस्वरूप, सामाजिक रूप से वांछनीय उत्तर वास्तविक जनमत को ढक लेते हैं। इसके अलावा, बिहार की सामाजिक बुनावट इतनी जटिल है कि राष्ट्रीय स्तर के सर्वे मॉडल इन सूक्ष्म अंतर्विरोधों को पकड़ नहीं पाते। एक जिले से दूसरे जिले तक जातीय और सामुदायिक समीकरण बदल जाते हैं। दरभंगा का ब्राह्मण मतदाता, सिवान का यादव मतदाता या गया का मुसहर समुदाय, सभी की प्राथमिकताएं अलग हैं। इन भिन्नताओं को एक समान मान लेना सर्वेक्षण की सबसे बड़ी भूल है। वोट प्रतिशत को सीटों में बदलने की प्रक्रिया भी त्रुटिपूर्ण सिद्ध होती है। भारत की 'फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट' प्रणाली में मात्र एक प्रतिशत वोट का अंतर कई दर्जन सीटों का फर्क पैदा कर सकता है। ऐसे में दो-तीन प्रतिशत की त्रुटि भी पूरे अनुमान को उलट देती है। यही कारण है कि एग्जिट पोल केवल रुझान दिखा सकते हैं, न कि परिणाम। बिहार में एग्जिट पोल्स की विफलता यह भी साबित करती है कि यहां का मतदाता अब अनुमान योग्य नहीं रहा। जातीय पहचान, क्षेत्रीय निष्ठा और स्थानीय मुद्दों का मिश्रण इतना जटिल है कि कोई भी आंकड़ा इसे पूरी तरह नहीं समझ सकता। बिहार का मतदाता अक्सर आखिरी क्षण में निर्णय बदल देता है। यह न केवल उसका लोकतांत्रिक अधिकार है, बल्कि राजनीतिक चेतना की गहराई का प्रमाण भी है। राजनीतिक दलों के लिए भी एग्जिट पोल एक दोधारी तलवार हैं। जब नतीजे उनके पक्ष में आते हैं तो वे इसे जनता का मूड बताते हैं और जब विपरीत आते हैं तो इसे प्रायोजित सर्वेक्षण कहकर खारिज कर देते हैं। विपक्ष अक्सर यह दावा करता है कि उनके पक्ष में मौन बहुमत है, जो सर्वे में नहीं दिखता। यह रणनीति कार्यकर्ताओं का मनोबल बनाए रखने में कारगर होती है। बिहार के चुनाव बार-बार यह सिखाते हैं कि मतदाता किसी भी लहर को स्थायी नहीं रहने देता। जो कल लोकप्रिय था, वह आज अप्रासंगिक हो सकता है। यही बिहार की लोकतांत्रिक जीवंतता है। यहां जनता स्वयं अंतिम निर्णय सुनाती है और कोई भी सर्वेक्षण उस नब्ज को पहले से नहीं पढ़ सकता। बिहार का अनुभव यह स्पष्ट करता है कि एग्जिट पोल आंकड़ों की सीमाओं से बंधे हैं, जबकि बिहार का जनमत संवेदनाओं, सामाजिक पहचान और स्थानीय वास्तविकताओं से निर्मित होता है। जब तक सर्वेक्षण एजेंसियां इन कारकों को मापने के लिए स्थानीयकृत और समाज-विशेष आधारित मॉडल विकसित नहीं करतीं, तब तक एग्जिट पोल बिहार में केवल एक मीडिया तमाशा बने रहेंगे और मतदाता, हर बार, इन आंकड़ों को अपनी चुप्पी से पराजित करता रहेगा।

धौलपुर में पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदलः सभी थानों पर नए थानेदार तैनात, आईजी और एसपी ने जारी की सूची

हमारा समाचार

धौलपुर। जिले में पुलिस प्रशासन ने बड़ा फेरबदल किया है। भरतपुर रेंज के आईजी कैलाश चंद्र बिश्नोई और पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देश पर जिले के सभी थाना प्रभारियों का स्थानांतरण कर नई तबादला सूची जारी की गई है। जारी आदेश के अनुसार, कृष्ण कुमार मीणा को नादनपुर, देवेंद्र शर्मा को बाड़ी, कैलाश सिंह को सोने का गुर्जा, गंभीर सिंह कंसाना को राजाखेड़ा और बालकृष्ण को बसेड़ी थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, हरेंद्र सिंह को कोतवाली, नीरज कुमार शर्मा को मनिया, सागर मीणा को साइबर थाना, हरि नारायण मीणा को कोलारी, प्रवेन्द्र कुमार रावत को सैंपऊ, रामकिशन यादव को कंचनपुर, अमित कुमार शर्मा को निहालगंज और बृजेश कुमार मीणा को दिहोली थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं, सहीराम यादव को महिला पुलिस थाना और महेश कुमार को सदर धौलपुर का प्रभार सौंपा गया है। इसके साथ ही दुर्ग सिंह को बसई डांग, घनश्याम को डीएसटी प्रभारी और बलविंदर सिंह को यातायात प्रभारी नियुक्त किया गया है। सूत्रों के अनुसार, अधिकांश थानों पर सीआई (पुलिस निरीक्षक) रैंक के अधिकारियों को थानेदार के रूप में पदस्थापित किया गया है। इस फेरबदल का उद्देश्य जिले की कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना बताया जा रहा है।

शहर के ठाकुर पाड़ा में पुराने विवाद में दो पक्षों में झगड़ा
बच्चो को लेकर स्कूल जा रहे एक युवक पर हमला,गर्दन पर किया चाकू से वार

हमारा समाचार

बाड़ी । शहर के ठाकुर पाड़ा मोहल्ले में दो पक्षों में पुराने विवाद को लेकर एक बार फिर से झगड़ा का मामला सामने आया है। घटना गुरुवार शाम चार बजे की बताई गई है। जहां अपने बच्चों को लेने स्कूल जा रहे एक युवक पर हमला हुआ है। हमले के दौरान युवक की गर्दन पर चाकू से हमला करने का आरोप लगाया गया है। घायल युवक को बाड़ी अस्पताल में भर्ती किया है। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे धौलपुर किया गया है। कोतवाली थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना में घायल युवक बबलू पुत्र पान सिंह ठाकुर के बड़े भाई धर्मेंद्र परमार ने बताया की बबलू लोहे का काम करता है। वह किसी के यहां पर काम के सिलसिले में गया था। जहां से वापस घर आकर बाइक से अपने बच्चों को स्कूल लेने जा रहा था। इस दौरान ठाकुर पाड़ा मोहल्ले के चौराहे के पास आरोपी पक्ष के चार लोगों ने उसे घेर लिया और मारपीट करने लगे। इस दौरान एक युवक ने उसके गर्दन पर चाकू से बाहर किया। जिसमें वह घायल हो गया। जैसे ही उसे पता लगा तो धर्मेंद्र भाग कर मौके पर पहुंचा। इस दौरान छत पर खड़े कुछ लोगों ने फायरिंग की और उससे मारपीट भी की गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच मामले की जांच की है। कोतवाली एसएचओ अमित शर्मा ने बताया कि एक युवक को हिरासत में लिया है। मामले की जांच की जा रही है। घायल युवक का उपचार जारी है।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन, कार्यशाला में मौजूद रहे सभी ग्राम पंचायतों के प्रभारी और पीईईओ

हमारा समाचार

बाड़ी ।धौलपुर जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी के निर्देश पर पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बाड़ी में एक दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के संचालन और क्रियान्वयन से जुड़े ब्लॉक स्तरीय स्टेट होल्डर्स के लिए थी। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कार्यक्रम की सुचारू रूप से जानकारी देना, व्यापक प्रचार-प्रसार करना और क्षमता संवर्धन करना था। इसमें वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक कार्य योजना और बजट मद साक्षरता क्रियान्वयन एजेंसियों के प्रशिक्षण पर भी चर्चा की गई। कार्यशाला में जिला साक्षरता अधिकारी वीर सिंह ने साक्षरता के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। वहीं,जिला सांख्यिकी अधिकारी प्रशांत परमार ने संभागियों को डिजिटल साक्षरता के महत्व और उपयोगिता से अवगत कराया। ब्लॉक समन्वयक सरनाम सिंह ने बताया कि साक्षरता का मॉड्यूल अब बदल दिया गया है। पहले केवल हस्ताक्षर करना सिखाया जाता था, लेकिन तकनीकी ज्ञान में वृद्धि के कारण अब व्यापक साक्षरता पर जोर दिया जा रहा है। नए मॉड्यूल के तहत व्यक्ति को केवल हस्ताक्षर ही नहीं, बल्कि अखबार पढ़ना, पुस्तकें पढ़ना, सार्वजनिक स्थानों पर लगे होर्डिंग्स को समझना, मोबाइल चलाना और कंप्यूटर ज्ञान अर्जित करना भी सिखाया जाएगा। यह जानकारी 36 ग्राम पंचायत के प्रभारियों और 36 पंचायत प्रसार शिक्षा अधिकारियों को केआरपी रघुवीर प्रसाद शर्मा और श्याम यदुवंशी द्वारा दी गई।

मासिक जनसुनवाई में पहुंचे कलेक्टर,अधिकारियो को निर्देश समस्या का करें समाधान
स्थाई और अस्थाई अतिक्रमण को लेकर एसडीएम को जल्द अभियान के निर्देश

निर्वाचन के एसआईआर कार्य की समीक्षा, मतदाताओं से ऑनलाइन आवेदन की अपील

हमारा समाचार

बाड़ी ।प्रत्येक महीने के दूसरे गुरुवार को आयोजित होने वाली मासिक जनसुनवाई बैठक शहर के पंचायत समिति सभागार में उपखंड अधिकारी भगवत शरण त्यागी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस बैठक में जब पारिवादी अपनी समस्या लेकर पहुंचे तो जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी भी औचक निरीक्षण पर पहुंच गए। जिला कलेक्टर के सामने लोगों ने अपनी परिवेदना देते हुए उनको बताया कि वे वर्षों से अतिक्रमण को लेकर हर बैठक में अपनी समस्या रखते हैं लेकिन आज तक उनकी समस्याओं का समाधान नही हुआ। इस पर कलेक्टर ने एसडीएम सहित सभी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिक्रमण हो या परिवादी की निजी समस्या उसका त्वरित समाधान करें। अतिक्रमण को लेकर शहर में अभियान चलाएं और अतिक्रमणकारियो को पाबंद करने के साथ नहीं मानने पर कानूनी कार्रवाई करें। कलेक्टर श्रीनिधि बेटी ने बताया कि वे निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे स्पेशल इंटर्नशिप रिवीजन कार्यक्रम को लेकर बाड़ी में कार्य की समीक्षा करने आए है । इस दौरान उन्हें जानकारी मिली तो वे जनसुनवाई में भी पहुंचे। उन्होंने बताया कि कोई भी नागरिक अपनी समस्या लेकर जब जनसुनवाई में आता है तो आसान्वित रहता है कि यहां अधिकारी इसकी सुनवाई करेंगे लेकिन जब अधिकारी किसी कार्य में टालमटोल करेंगे तो लोगों का विश्वास प्रशासन से उठता है। ऐसा नहीं होना चाहिए। कोई भी परिवादी यदि समस्या लाता है तो उसका तुरंत समाधान जरूरी है और समाधान के साथ हर परिवादी से संवाद भी जरूरी है। उन्होंने बताया की वैसे तो जनसुनवाई में लोगों ने जो समस्या रखी है उनमें पेंशन,खातेदारी,विधुत बिल समझौता,पेंशन भुगतान,नाले पर पुलिया जैसे मामले है जो जल्द ही निस्तारित हो जाएंगे साथ में स्थाई ओर अस्थाई अतिक्रमण को लेकर जो शहर की बड़ी समस्या है उस पर अधिकारी एक्शन लेंगे और एक अभियान चलाकर अतिक्रमण को खत्म कराया जाएगा। स आई आर को लेकर कलेक्टर ने बताया कि धौलपुर जिले में बाड़ी डिवीजन का अच्छा परफॉर्मेंस है। यहां एसडीएम भगवत शरण त्यागी के नेतृत्व में तहसीलदार एवं एस आई आर में लगी टीम,फील्ड में बीएलओ लगातार काम मे जुटे है। अब एक व्यक्ति एक ही जगह पर वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कर सकेगा। यदि किसी ने चीटिंग करने की कोशिश की तो उसके खिलाफ क़ानूनी कार्यवाही की जाएगी। दस दिन में यह रही बाड़ी की प्रगति :- निर्वाचन विभाग के कार्यालय से जुड़े सहायक प्रोग्रामर अम्र सिंह परमार ने बताया की 04 नवंबर से शुरू हुए एसआईआर के कार्य में डांग क्षेत्र में मोबाईल नेटर्वक की समस्या सामने आ रही है। जिसको लेकर नगर पालिका कार्यालय में एक बार रम बनाया गया है जहां 13 बीसीआई को दो परियो में लगाया है जो ऑनलाइन का काम कर रहे है। अभी तक विधानसभा क्षेत्र में कुल 2 लाख 47 हजार 370 मतदाताओं में से 2 लाख 36 हजार 781 मतदाताओं को प्रपत्रो का वितरण किया जा चुका है। जो 95 प्रतिशत से अधिक है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का काम लगातार जारी है। इस कार्य में 261 बीएलओ और 40 सहायक बीएलओ और 28 सुपरवाइजर लगातार लगे हुए है।

भाजपा महिला सम्मेलन- जिला अध्यक्ष लज्जा रानी अग्रवाल ने बताया- भाजपा महिला

हमारा समाचार

भाजपा महिला सम्मेलन- जिला अध्यक्ष लज्जा रानी अग्रवाल ने बताया- भाजपा महिला मोर्चा जिला करौली के तत्वाधान में आज दिनाक 12 नवंबर 2025 बुधवार में, नारायण मंदिर, मुड़िया पैलेस के पास, चेतराम कॉलोनी, हिंडौन सिटी में, आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय महिला सम्मेलन का सफल आयोजन जिला अध्यक्ष भाई श्री गोवर्धन सिंह जादौन जी की अध्यक्षता में महिला सम्मेलन की महिलाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त बनाया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भाजपा की राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य एवं नि. सांसद लोकसभा क्षेत्र भरतपुर की माननीया सम्माननीया श्रीमती रंजीता कोली रही।सभी मंचासीन अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। सभी मंचासेना अतिथियों का माल्यार्पण कर, दुपट्टा पहना कर स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष सत्येंद्र चौधरी, जिला प्रवक्ता डॉक्टर हेमलता गुप्ता, जिला सह संयोजक विद्या वैष्णव, जिला महामंत्री कृष्णा चौधरी, जिला आईटी सेल संयोजक निशि वशिष्ठ, जिला मंत्री मोहिनी गोयल, हिंडौन शहर महिला मंडल अध्यक्ष विमला शुक्ला, कार्यक्रम संयोजक गायत्री गौड, मधु शर्मा शहित भाजपा की अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पधारे हुए सभी पदाधिकारीयौं ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत संकल्प लिया। आयोजक निवेदक जिला अध्यक्ष एवं जिला संयोजक लज्जा रानी अग्रवाल ने आए हुए सभी अतिथिगण व पदाधिकारी गण, एवं जनप्रतिनिधि गण भाई बहनों का एवं मीडिया प्रभारी मनोज तिवारी जी का आभार व धन्यवाद दिया।जय हिंद। जय भारत। जय नरेंद्र भाई मोदी। जय जेपी नड्डा। जय मदन राठौड़। जय भजन लाल शर्मा। जय भाजपा। जय मातृ शक्ति। जय महिला मोर्चा। जय श्री राम।।

जिले में मिड डे मील एवं दूध योजना उधारी की भेंट चढ़ी स्कूलों को नहीं दिया जा रहा बजट

राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ ने जिला कलक्टर से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

हमारा समाचार

धौलपुर ।जिले में पन्नाधाय दूध योजना एवं मिड डे मील योजना जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के चलते उधारी की भेंट चढ़ चुकी है। जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक कार्यालय की ओर से पौने दो साल से स्कूलों को राशि नहीं दी गई है। ऐसे में स्कूलों को योजनाओं के सुचारू संचालन करने में बेहद मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। यही नहीं अल्प मानदेय पर स्कूलों में बच्चों का भोजन तैयार करने वाली करीब ढाई हजार कुक कम हेल्पर्स को महीनों से मानदेय के लिए तरसना पड़ रहा है। इस संबंध में गुरुवार को राजस्थान पंचायतीराज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के एक प्रतिनिधि मंडल ने संघ के पूर्व प्रदेश महामंत्री राजेश शर्मा के नेतृत्व में जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष हरी सिंह गुर्जर ने डीएम को प्रेषित ज्ञापन में बताया कि डीईओ प्रारंभिक कार्यालय की उदासीनता के चलते पन्नाधाय दूध योजना के तहत स्कूलों को चीनी व गैस की मार्च 2024 तथा दूध गर्म करने वाले व्यक्ति (कुक) मानदेय राशि का बजट जनवरी 2024 से आवंटित नहीं किया गया है। जिस से स्कूलों पर हजारों रुपए की उधारी चढ़ चुकी है। इसी प्रकार मिड डे मील योजना के अंतर्गत कन्वर्जन कॉस्ट एवं कुक कम हेल्पर मानदेय की राशि जुलाई से जिले के स्कूलों को आवंटित नहीं की गई है। ऐसे में पिछले चार माह से बजट नहीं दिए जाने से जिले के स्कूलों में बच्चों के लिए दोपहर का भोजन उपलब्ध कराने के लिए संस्था प्रधानों एवं शिक्षकों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यही नहीं बेहद अल्प मानदेय पर स्कूलों में भोजन तैयार करने वाली करीब ढाई हजार मिड डे मील वर्कर्स को 4 माह से मानदेय के लिए तरसना पड़ रहा है। शिक्षक नेताओं ने डीएम से जिले के सभी स्कूलों को शीघ्र मिड डे मील योजना के तहत छात्रों के पोषाहार की लागत राशि एवं कुक कम हेल्पर्स के लंबित मानदेय राशि का बजट आवंटित किए जाने के साथ दूध योजना की पिछले पौने दो सालों से बकाया राशि का बजट शीघ्र जारी कराने का अनुरोध किया है। प्रतिनिधि मंडल में जिला मंत्री चंद्रशेखर शर्मा, उपाध्यक्ष केदार सिंह बघेल,कमरुद्दीन, दिनेश शर्मा,अशोक त्यागी,हरिओम शर्मा मौजूद रहे। जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपते शिक्षक संघ के पदाधिकारी डीईओ कार्यालय की धीमी रफ्तार से सैकड़ों शिक्षकों के स्थाईकरण आदेश अटके पूर्व प्रदेश महामंत्री राजेश शर्मा ने जिला कलक्टर को बताया कि जिले के सैकड़ों शिक्षकों द्वारा दो वर्ष का परिवीक्षा काल पूर्ण करने के बाद जुलाई से अक्टूबर तक डीईओ प्रारंभिक कार्यालय को ऑन लाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए हैं। लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की बेहद धीमी गति के कारण जिले के सैकड़ों शिक्षकों के महीनों बाद आदेश जारी नहीं किए जा रहे हैं।यहां तक कि अभी तक सभी आवेदन पत्रों का न अनुमोदन किया है और न जिला परिषद को सूचियां भेजी गईं हैं।संघ ने जिला कलक्टर से डीईओ प्रारंभिक को पाबंद कर शिक्षकों के स्थाईकरण आवेदन पत्रों की सूची जिला परिषद को स्थापना समिति में अनुमोदन हेतु भिजवाकर जल्द से जल्द परिवीक्षा काल पूर्ण कर चुके जिले के सभी शिक्षकों के स्थाईकरण वेतन नियमिति करण आदेश जारी कराने का आग्रह किया है।

सहकारिता के क्षेत्र में 14 से 20 नवम्बर तक सहकार सप्ताह का किया जाएगा आयोजन

हमारा समाचार

धौलपुर। सहकारिता के क्षेत्र में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 14 नवम्बर से 20 नवम्बर तक जिले में 72वें अखिल भारतीय सहकार सप्ताह का आयोजन किया जाना है। उप रजिस्ट्रार सतेन्द्र सिंह मीना द्वारा बताया गया कि इस वर्ष के सहकार सप्ताह का मूल ध्येय वाक्य कॉर्पेटीव्स एस व्हीकल्स फॉर आत्मनिर्भर भारत रखा गया है। सहकार सप्ताह का सहकारिता के क्षेत्र में विशेष महत्व है। इस सप्ताह में विभिन्न दिवसों को समारोहपूर्वक आयोजित कर तथा सहकारिता के विभिन्न कार्यक्रमों से जनसाधारण को अवगत कराकर सहकारिता से जोड़ने के प्रयास किये जाते हैं। उन्होंने बताया कि विश्व के सामाजिक-आर्थिक विकास में सहकारिता के बढ़ते महत्व को देखते हुए सहकारी क्षेत्र से जुड़े लोगों को सहकारिता आंदोलन के सिद्धांतों, रीति-नीतियों व कार्यक्रमों से अवगत कराया जाना आवश्यक है ताकि अधिक से अधिक लोग सहकारी आंदोलन से जुड़कर लाभान्वित हो सकें। जिले में सहकार सप्ताह के आयोजन के लिए विभिन्न सहकारी समितियों को प्रतिदिनवार नोडल बनाते हुए विषय वस्तु के आधार पर कार्यक्रम कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि 14 नवम्बर को केन्द्रीय सहकारी बैंक शखा धौलपुर, बाड़ी, बसेड़ी एवं राजाखेड़ा में परिचालन दक्षता, जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए डिजिटलीकरण को बढ़ावा देना, 15 नवम्बर को दी धौलपुर अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड धौलपुर में त्रिभुवन सहाकर विश्वविद्यालय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण, सहकारी शिक्षा में परिवर्तन, 16 नवम्बर को धौलपुर प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक धौलपुर में सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण विकास को सुदृढ़ बनाना, 17 नवम्बर को कार्यालय उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियॉ धौलपुर में राष्ट्रीय सहकारी नीति परिस्थिति की तंत्र, भारत की सहकारी समितियों के संरचित रोडमैप, 18 नवम्बर को जिला दुग्ध उत्पादक संकलन केन्द्र धौलपुर में सहकारी उद्यमिता के माध्यम से युवाओं, महिलाओं, और कमजोर क्षेत्र हस्तशिल्प, हथकरघा, श्रम, मत्स्य पालन आदि का सशक्तिकरण, 19 नवम्बर को धौलपुर क्रय-विक्रय सहकारी समिति धौलपुर में पर्यटन, स्वास्थ्य, हरित ऊर्जा, प्लेटफार्म सहकारी समितियों, रसोई, सहाकरी समितियों और अन्य कल्पनीय क्षेत्रों जैसे उभरते क्षेत्रों में सहकारी समितियों का विस्तार तथा 20 नवम्बर को धौलपुर सहकारी उपभोक्ता होलसेल भण्डार धौलपुर में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए नवोन्मेषी सहकारी व्सवसाय मॉडल विषय पर सहकारी सप्ताह का आयोजन किया जाएगा।

जिले में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य जारी
जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया ईएफ वितरण कार्य का अवलोकन

हमारा समाचार

धौलपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य जिले में जारी है। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ घर-घर जाकर ईएफ (एन्युमरेशन फॉर्म) वितरण कर रहे हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने बाड़ी विधानसभा क्षेत्र के शहरी, बसेड़ी विधानसभा क्षेत्र के पीपरीपुरा एवं ममोधन पर बीएलओ द्वारा वितरित किये जा रहे ईएफ कार्य का अवलोकन किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बाड़ी विधानसभा क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया का अवलोकन किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बाड़ी में विभिन्न स्थानों पर बीएलओ द्वारा वितरित ईएफ कार्य को देखा और मतदाताओं के घर पहुंचकर उन्हें विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने ईआरओ और बीएलओ से भी आवश्यक जानकारी लेकर निर्धारित समयावधि में उक्त कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। अवलोकन के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक मतदाता से यह जानकारी ली जाए कि वह पूर्व में कहां निवास करता था। यदि उसका पुराना ईपिक नंबर उपलब्ध है, तो उसके आधार पर नाम तलाश कर मैपिंग की जाए। जिन मतदाताओं का ईपिक नंबर नहीं है, उनके पुराने निवास स्थान की जानकारी लेकर वर्ष 2002 की मतदाता सूची से नाम ढूंढा जाए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की मैपिंग नहीं हो पाई है, उनसे उनके या उनके माता-पिता के वर्ष 2002 में निवास स्थान की जानकारी लेकर मैपिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि गणना प्रपत्रों का वितरण बढ़ाया जाए। जिन लोगों के नाम वर्ष 2002 की सूची में नहीं मिल रहे हैं और बीएलओ ऐप पर मैपिंग नहीं हो पा रही है, उनके नाम ढूंढने में मदद की जाए। उन्होंने संबंधित ईआरओ को बीएलओ के साथ वालंटियर्स की नियुक्ति आवश्यक रूप से करने के निर्देश दिए। निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी एवं संबंधित ईआरओ को निर्देशित किया कि बीएलओ ऐप पर शत-प्रतिशत मैपिंग का कार्य पूरा किया जाए। जिले की विधानसभाओं में ईएफ वितरण कार्य जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले की विधानसभा क्षेत्र 77-बसेड़ी में 2 लाख 13 हजार 30, 78-बाड़ी में 2 लाख 39 हजार 52, 79-धौलपुर में 2 लाख 7 हजार 955 तथा 80-राजाखेड़ा में 1 लाख 91 हजार 880 कुल 8 लाख 51 हजार 917 ईएफ 92.82 प्रतिशत ईएफ वितरण किए जा चुके है।

जिला कलक्टर श्रीनिधि बी.टी. ने किया विषेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत वि0स0क्षेत्र बसेडी के बीएलओ के कार्य का निरीक्षण

हमारा समाचार

बसेड़ी। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से चलाये जा रहे मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत गुरूवार को जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) धौलपुर श्रीनिधि बी.टी ने विधानसभा क्षेत्र बसेडी के बीएलओ द्वारा वितरित, एकत्रित, डिजिटाईज किये जा रहे परिगणना प्रपत्र कार्य का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान जिला कलक्टर श्रीनिधि बी.टी ने पीपरीपुरा, ममोधन, रतनपुर इत्यादि बूथ परिक्षेत्र के मतदाताओं से भी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की जानकारी ली तथा विधानसभा क्षेत्र बसेडी की कार्य प्रगति पर संतोष व्यक्त किया, साथ ही जिन बीएलओ का कार्य पिछडा हुआ है उनको नोटिस जारी करने के निर्देष दिऐ। इस निरीक्षण के दौरान एसडीएम बसेडी सुरेन्द्र प्रसाद, बसेडी तहसीलदार रामकिशोर मीना, एएलएमटी राजेश कुमार शर्मा एवं निजी सहायक शैलेन्द्र सैनी मौजूद रहे।

23 नवंबर को पिलाई जाएगी पोलियो खुराक, 3 लाख से अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य

जिला कलक्टर डॉ प्रदीप के गावंडे ने ली टास्क फोर्स बैठक

हमारा समाचार

जालोर । उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 23 नवंबर को आयोजित होगा जिसमें 5 साल तक की उम्र के बच्चों को पोलियो दवा पिलाई जाएगी। जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला टास्क फोर्स बैठक आयोजित की गई जिसमें पल्स पोलियो अभियान पर चर्चा कर शत- प्रतिशत टीकाकरण के निर्देश दिए गए। बैठक में कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने महिला एवं बाल विकास विभाग एवं शिक्षा विभाग को पोलियो अभियान में

सहयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के माध्यम से 5 साल तक की उम्र के बच्चों के परिवारों को जानकारी देने, अभियान की मॉनिटरिंग के लिए सुपरवाइजर नियुक्त करने के लिए निर्देशित किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भैराराम जाणी ने बताया कि भारत के पड़ोसी देशों में पोलियो के केस अभी भी आ रहे हैं, इसलिए 5 साल तक के बच्चों को दवा सेवन करवाना ज़रूरी है। उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान 23 नवम्बर 2025 को आयोजित किया जायेगा जिसमें प्रथम दिवस में बूथ पर पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी एवं दुसरे व तीसरे दिन टीमों द्वारा घर घर जाकर शेष रहे बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी।

3 लाख से अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य

जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार बाजिया ने बताया कि उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के तहत जिले में 1154 पोलियो बूथ बनाए गए हैं जिनमें 1053 स्थाई बूथ, 44 मोबाईल बूथ एवं 57 ट्रांजिट बूथ के रूप में कार्य करेंगे। इस चरण में जिले में शुन्य से 5 वर्ष के 3 लाख 54 हजार 555 बच्चों को पोलियों की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

डब्ल्यूएचओ आरआरटी डॉ. अनीता चौहान ने बताया कि पोलियो दवा से एक भी बच्चा वंचित ना रहे इसको ध्यान में रखते हुये हाईरिस्क क्षेत्रों जैसे- ईंट भट्टे, क्रेशर, निर्माण स्थल, घुमक्कड़ आबादी में मोबाईल टीम की व्यवस्था की गई है। बाजारों में भी दवा पिलाने की व्यवस्था की गई है।

इस दौरान अतिरिक्त सीएमएचओ डॉ. चन्द्रशेखर गजराज, डिप्टी सीएमएचओ डॉ. विरेन्द्र हमथानी, उपनियंत्रक जिला चिकित्सालय डॉ. कमलेश मीणा, महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक अशोक विश्नोई, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी लहरीराम माली सहित जिले के समस्त बीसीएमओ व चिकित्सा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण दौरान पायी गई अनियमिताओं तथा युवा पीढ़ी को नशे की लत से बचाने के लिये टोंक जिले में 6 फर्मो के लाईसेन्स निलंबित किये गये

हमारा समाचार

टोंक। टोंक जिले में औषधि नियंत्रण संगठन के जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी विनय कुमार विजय, एवं प्रवीण चौधरी की रिपोर्ट पर औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी एवं सहायक औषधि नियंत्रक, टोंक ने 6 औषधि विक्रेताओं के लाईसेंस निलम्बित किये। टोंक के सहायक औषधि नियंत्रक प्रहलाद कुमार मीणा ने बताया कि औषधि प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के नियम 59 एवं 66 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर टोंक जिले में निरीक्षण दौरान पायी गई अनियमिताओं पर कार्यवाही की गई है। उन्होंने बताया कि रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट अनुपस्थिति, औषधियों का विक्रय विवरण प्रस्तुत नही करना, समय सारणी एच 1 रजिस्टर संधारण नही होना तथा युवा पीढ़ी को नषे की लत से बचाने एवं नषीली दवाओं का बिना विक्रय बिल जारी कर बेचान करने पर प्रभावी रोकथाम के तहत यह कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि निलंबन की प्रभावी तिथि 17 नवम्बर है। इनमें फर्म मैसर्स राधे गोविन्द मेडिकल एण्ड जनरल स्टोर, ग्राम पारली, तहसील मालपुरा एवं फर्म मैसर्स श्री देव मेडिकल एण्ड जनरल स्टोर, करैषा सुपर मार्केट, नियर बैक ऑफ बडौदा, कलमण्डा, तहसील मालपुरा, को 10 दिन के लिए, फर्म मैसर्स श्री जी मेडिकल एण्ड जनरल स्टोर, नियर कृष्णा टाकीज, टोडारायसिंह रोड़, मालपुरा 8 दिन के लिये निलंबित किया गया। इसी तरह फर्म मैसर्स प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र नियर सरदार सर्किल, बस स्टेण्ड, उनियारा, एवं फर्म मैसर्स खण्डेलवाल मेडिकल एण्ड जनरल स्टोर, ग्राम दत्तवास, तहसील निवाई को 5 दिन के लिए तथा फर्म मैसर्स ओम मेडिकल स्टोर, कीर मोहल्ला, हॉस्पिटल के पास, नगरफोर्ट के लाईसेंस को 3 दिन के लिये निलंबित किया गया।

भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को जन-जन तक पहुचाएं -सीईओ

हमारा समाचार

टोंक । भगवान बिरसा मुंडा की 150 वी जन्म जयंती जनजातीय गौरव दिवस 15 नवम्बर को पूरे जिले में मनाया जाएगा। सीईओ ने आयोजित कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। धानका ने निर्देश दिए कि भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को जन-जन तक पहुचाएं। अंग्रेजी हुकुमत के खिलाफ उनका संघर्ष अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि विशेष रुप से इन कार्यक्रमों में विद्यालयों, महाविद्यालयों, युवावर्ग, सामाजिक संगठनों को जोड़ो जाएं। छात्र-छात्राओं को बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्ष के बारे में बताया जाएं। सीईओ ने बताया कि 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के तहत ग्राम, पंचायत समिति एवं जिला मुख्यालय पर विविध कार्यक्रम आयोजित होगें। राष्ट्रीय आयोजन का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन का जिला स्तर पर सीधा प्रसारण, जनजातीय गौरव से संबंधित प्रदर्शनी, हाट एवं चिकित्सा शिविरए मुख्य चौराहों व राजकीय भवनों पर रोशनी की जाएगी। सीईओ ने कहा कि 15 नवम्बर को शोभायात्रा पटेल सर्किल से कृषि ऑडिटोरियम तक निकाली जाएगी। इसमें आमजन, युवा, विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र.छात्राए, एनसीसी, एनएसएसए स्काउट गाइड, राजकीय अधिकारी व कार्मिक शामिल होगें। सीईओ ने 15 नवम्बर के सभी कार्यक्रमों को और सफल बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान सीएमएचओ शैलेन्द्र सिंह चौधरी, सीडीईओ सुशीला करनानी, आईसीडीएस की उप-निदेशक सरोज मीना, डीईओआइटी के संयुक्त निदेशक दीपक कुमार एवं एसीपी श्याम सुन्दर जांगिण मौजूद रहें।

शांति सागर महाराज की प्रतिमा आज वेदी पर स्थापित होगी

हमारा समाचार

टोंक। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन नसिया अमीरगंज टोंक में आचार्य वर्धमान सागर महाराज के ससंघ सानिध्य में प्रथम आचार्य आचार्य 108 शांतिसागर महाराज की प्रतिमा शुक्रवार को वेदी पर रिद्धि सिद्धि मित्रों के साथ आचार्य श्री के ससंघ सानिध्य में एवं विधानाचार्य पंडित मनोज शास्त्री के सानिध्य में स्थापित होगी । समाज के प्रवक्ता पवन कंटान एवं अंकुर पाटनी बताया कि 14 नवंबर शुक्रवार को प्रातः काल गुरु को निमंत्रण के पश्चात अभिषेक शांतिधारा के बाद घटयात्रा, याग मंडलविधान वेदी शुद्ध, वास्तु विधान, हवन के पश्चात प्रथम आचार्य शांति सागर महाराज को नई वेदी पर विराजमान की जाएगी, जिसके पुनर्जक स्व. कज़ोड़मल, शेखरचंद, कमलेश कुमार, वेणी प्रसाद, पवन कुमार, विनायक जैन कल्ली परिवार को मिला, तत्पश्चात सभी कार्यकर्ता का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा । इसके पूर्व आचार्य वर्धमान सागर महाराज के ससंघ सानिध्य में अभिषेक शांतिधारा का कार्यक्रम आयोजित किया गया, सायंकाल आरती, शास्त्र सभा एवं आयोजन किया गया।

छात्रों को दी यातायात नियमों की जानकारी

हमारा समाचार

टोंक। पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा चलाए जा रहे सडक़ सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता अभियान के तहत पुलिस थाना मेहंदवास व यातायात शाखा टोंक द्वारा संयुक्त अभियान चलाया जाकर ग्राम छान में स्थित सेंट पॉल स्कूल एवं महाविद्यालय में लगभग 750 बच्चों को व रविन्द्र विद्यालय में लगभग 650 बच्चों को यातायात संबंधी अभियान व नियमों की जानकारी दी गई, साथ ही यातायात नियमों की पालना करने हेतु जागरूक किया गया, इसके अलावा संयुक्त अभियान के दौरान सभी बाल वाहिनियों में लगे सुरक्षा उपकरण चेक किए गए तथा बाल वाहिनियों के चालकों को फायर सेफ्टी के दौरान रखी जाने वाली सावधानियों के बारे में अवगत कराया।

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन का टी-शर्ट और मेडल किया अनावरण

हमारा समाचार

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन के टी-शर्ट और फिनिशर मेडल का अनावरण किया। यह मैराथन 30 नवंबर को जयपुर में थीम के साथ आयोजित होगी। वेदांता, Any Body Can Run (ABCR) और फिनोवा कैपिटल के सहयोग से आयोजित इस 10वें संस्करण में भारत और विदेशों से

15,000 से अधिक धावक भाग लेंगे। वेदांता की पहल नंद घर के माध्यम से दौड़े गए हर किलोमीटर पर बच्चों को पोषण पैक प्रदान किए जाएंगे। यह पहल देशभर में 10,000 से अधिक आंगनवाड़ियों को आधुनिक बना रही है। फिनिशर मेडल हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा निर्मित जावर माइंस की उच्च गुणवत्ता वाली जिंक से बना है। इस वर्ष की मैराथन में तीन श्रेणियाँ होंगी - 21 किमी हाफ मैराथन, 10 किमी कूल रन और 5 किमी ड्रीम रन - जो सुबह 7 बजे, महल रोड, एनआरआई चौराहा, जयपुर से प्रारंभ होगी।

टोंक व पीपलू खंड में सीएचओ व डॉट्स प्रोवाइडर्स को दिया विशेष प्रशिक्षण

हमारा समाचार

टोंक । प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिला क्षय निवारण केंद्र में गुरूवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें खंड टोंक व पीपलू के सभी कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स (सीएचओ) तथा डॉट्स प्रोवाइडर्स को टीबी उन्मूलन की रणनीतियों पर गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. हिमांशु मित्तल ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अभियान के छह प्रमुख इंडिकेटर्स पर विस्तृत प्रकाश डाला। डॉ. मित्तल ने जोर देकर कहा कि नॉट साइट्स पर अधिक से अधिक बलगम सैंपल भेजकर संदिग्ध मरीजों की शीघ्र पहचान सुनिश्चित की जाए। डॉ. मित्तल ने कहा, ''टीबी मुक्त पंचायत का सपना तभी साकार होगा जब हर स्वास्थ्यकर्मी अपनी जिम्मेदारी को मिशन की तरह निभाए''। साथ ही प्रत्येक पुष्ट टीबी मरीज को निक्षय पोषण योजना के तहत एक हजार रूपये मासिक सहायता तथा निक्षय मित्र के माध्यम से अतिरिक्त पोषण/आर्थिक मदद दिलवाने के बाद निक्षय पोर्टल पर तत्काल ऑनलाइन एंट्री

अनिवार्य है। साथ ही डॉ. मित्तल द्वारा बाल चिकित्सा टीबी (पीडियाट्रिक टीबी) के लक्षण, निदान व प्रबंधन पर विशेष सत्र लिया। डीपीसी मर्सरत मियां ने ब्लॉक स्तर पर प्रचार-प्रसार गतिविधियों जैसे दीवार लेखन, ग्राम सभाओं एवं स्कुलों के माध्यम से टीबी के प्रति जागरूकता फैलाने की रणनीति साझा की। जिला लेखाकार दिनेश चौधरी ने निक्षय पोषण योजना की धनराशि वितरण प्रक्रिया को आसान भाषा में समझाया। जिला डाटा एंट्री ऑपरेटर सरल सैनी ने डिप्रेंशियल टीबी केयर मरीजों को निक्षय में ऑनलाइन इन्द्राज करने की बारीकियां बताई, एसटीएलएस निसार खान ने लक्ष्यानुरूप नॉट जांच के लिए संभावित मरीजों की स्क्रीनिंग व सैंपल संग्रहण की तकनीक सिखाई। एसटीएस महेन्द्र कुमार योगी ने टीबी मरीजों को पोषण किट वितरण करने के उपरान्त निक्षय में ऑनलाईन इन्द्राज करने का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में चिकित्सा अधिकारी डॉ. निर्मला मालपानी, नर्सिंग ऑफिसर जगवीर सिंह एवं खंड टोंक व पीपलू के स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

राहोली में स्वदेशी संकल्प कार्यक्रम आयोजित

हमारा समाचार

निवाई। पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राहोली में वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर स्वदेशी संकल्प कार्यक्रम बड़े उत्साह व देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, स्वदेशी भावना व आत्मनिर्भरता के विचारों को प्रोत्साहित करना है। प्राचार्य डॉ. योगेन्द्रसिंह नरुका ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत ही नहीं बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा है। इसके माध्यम से देशभक्ति, मातृभूमि के प्रति समर्पण और स्वदेशी चेतना की भावना जागृत होती है। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा वंदे मातरम् का सामूहिक गान किया गया। वातावरण देशभक्ति के नारों जय भारत, जय स्वदेशी, स्वदेशी अपनाओ, देश बचाओ से गूंज उठा। विद्यार्थियों ने स्वदेशी आंदोलन पर आधारित नाटक, भाषण, कविता व समूह गीत प्रस्तुत किए। विशेष रूप से विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नाटक स्वदेशी आज की आवश्यकता ने

सभी का मन मोह लिया। शिक्षिका पूजा पाटीदार ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को स्वदेशी उत्पादों के महत्व को समझते हुए मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल के संकल्प को जीवन में अपनाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों व स्टाफ सदस्यों ने सामूहिक रूप से शपथ ली। हम प्रतिज्ञा करते हैं कि हम अपने देश में निर्मित वस्तुओं का उपयोग करेंगे, स्वदेशी को बढ़ावा देंगे और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देंगे।

राहोली में पंचायत द्वारा रखवाई गई पेयजल टंकी में पानी नहीं भरने से ग्रामीणों में आक्रोश,

पंचायत प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करके किया विरोध प्रदर्शन

हमारा समाचार

निवाई। गांव राहोली के रैगरों के मोहल्ले से गुजर रही रोड पर यात्रियों व मोहल्ले वासियों के लिए पंचायत द्वारा पेयजल के लिए टंकी रखवाई गई थी। मगर उसमें पंचायत द्वारा पानी नहीं भरा जाता है जिससे यात्रियों व मोहल्ले वासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसको लेकर ग्रामीणो ने टंकी के पास पंचायत प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करके विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीण अरविंद बैरवा, रामजीलाल खटीक, नेनूराम रैगर, मोतीलाल रैगर, गोपाल रैगर, पुरण रैगर व दिनेश रैगर ने बताया कि यहां पर बस का ठहराव रहता है। जिससे दिनभर यात्रियों का आना-जाना रहता हैं मगर पानी की सुविधा नहीं होने के कारण यात्रियों को परेशानियों का

सामना करना पड़ रहा है। सरपंच फूला देवी मीणा का कहना है कि पेयजल का कार्य चल रहा है जिसकी वजह से टंकी में पानी नहीं आ रहा है। 15-20 दिन में कार्य पूरा हो जाएगा और फिर टंकी में रोजना पानी भरा जाएगा।

कृषि महाविद्यालय में नशा मुक्त भारत अभियान का हुआ आयोजन,

हमारा समाचार

निवाई। कृषि महाविद्यालय में अधिष्ठाता डॉ. आर. एस. मीना की अध्यक्षता में नशा मुक्त भारत अभियान का आयोजन किया गया। अधिष्ठाता डॉ. आर. एस. मीना ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत छात्र-छात्राओं को नशे के

दुष्प्रभावों के बारे में बताया तथा छात्र-छात्राओं को मैं न तो नशा करुंगा व न ही किसी पडौसी व मित्र आदि को करने दूँगा की शपथ दिलाई। सहायक निदेशक छात्र कल्याण डॉ. ओपी मीना ने छात्र-छात्राओं को बताया कि नशा करने से मस्तिष्क कमजोर होता हैं, जिससे आप अपने कैरियर को नही छू सकते। इसलिए स्वस्थ मस्तिष्क हेतु नशे से दूर रहे। एन.एस.एस. प्रभारी व सहायक आचार्य राजेश ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर डॉ. आर.एल. मीना, डॉ. के. ए. मीना, डॉ. पी. सी. बैरवा व डॉ. जोगेन्द्र सिंह सहित समस्त स्टाफ मौजूद थे।

ट्रैक्टर-बाइक में जोरदार भिड़ंत, दो युवक घायल

हमारा समाचार

टोंक । बरौनी थाना क्षेत्र में जयपुर-कोटा नेशनल हाई-वे पर बरौनी पुलिया से आगे एक ट्रैक्टर-मोटरसाइकिल के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही बरौनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर पाया गया कि एक ट्रैक्टर, जिसमें सीडड्रिल लगी हुई थी से मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई। हादसे में मोटरसाइकिल सवार विशाल पुत्र राजू नायक (22) निवासी चोरू थाना अलीगढ़ जिला टोंक एवं दिनेश पुत्र हनुमान प्रजापत (20) निवासी गाडौली थाना उनियारा जिला टोंक गंभीर घायल हो गए। दोनों को राजकीय स1ादत अस्पताल टोंक में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने वाहनों को थाने पर खड़ा करवाकर अनुसंधान शुरू किया।

उपखंड अधिकारी प्रीति मीणा को किसानों ने सौपा ज्ञापन, निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करवाने व किसानों के नुकसान की भरपाई करवाने की मांग की

हमारा समाचार

निवाई। गांव चनानी व सजिया के काश्तकारों ने तहसील प्रशासन पर भू-माफियाओं से मिलीभगत कर उनकी पुश्तैनी जमीनों को मनमानी तरीके से तरमीम करने का आरोप लगाते हुए उपखंड अधिकारी प्रीति मीणा को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया कि राजस्व विभाग की टीम ने एक तरफा नाप-चोक करके उनके वर्षों पुराने खेतों की सीमाएं बदल दी। खेतों में खड़ी सरसों, गेहूं व चने की फसलें उजाड़ दी, जिससे किसानों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि वह अपनी कई पीढियों से उक्त भूमि पर काश्तकारी कर रहे हैं और राजस्व अभिलेखों में भी भूमि उनके कब्जे में दर्ज है। उन्होंने बताया कि न्यायालय उपखंड अधिकारी ने 17 अक्टूबर 2025 को कमलेश बनाम तहसीलदार प्रकरण में कुछ खसरों में पत्थरगढ़ी के आदेश दिए थे, लेकिन भू-माफियाओं ने राजस्व कर्मचारियों से मिलीभगत कर उन खसरों की तरमीम चनानी व सजिया गांव में करवा दी। ग्रामीणों ने मांग की है कि गलत तरमीम को तत्काल निरस्त कर सही सीमाएं बहाल की जाएं और दोषी राजस्व कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पूर्व पंचायत समिति सदस्य बाबूलाल मीना, किसान महापंचायत युवा प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वरप्रसाद चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष दशरथसिंह पलेई, गुन्सी अध्यक्ष शंकरलाल मीणा, पंचायत समिति सदस्य छोटूलाल मीना, शंकरलाल कुम्हार, रमेशचंद यादव, छीतर बलाई व जगदीश यादव सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि खेती-बाड़ी जोत रहे किसानों को पहले नोटिस भेजकर जानकारी देनी चाहिए। उसके उपरांत उन्हें सुनवाई का मौका मिले। उसके बाद सभी किसानों को पैतृक संपत्ति उपलब्ध करवाने की कार्यवाही होनी चाहिए। परन्तु नियमों का उल्लघंन कर किसानों को परेशान करना न्यायोचित नहीं है। उन्होंने उच्चाधिकारियों को किसानों को न्याय के लिए निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज कराकर किसानों के नुकसान की भरपाई करवाने की मांग की है।

विष्णुकान्त शर्मा बने राजस्थान राज्य संयुक्त कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष

हमारा समाचार

निवाई। राजस्थान राज्य संयुक्त कर्मचारी महासंघ राठौर के प्रदेशाध्यक्ष महावीरप्रसाद शर्मा की सहमति से जिलाध्यक्ष जसवंतसिंह नरूका ने निवाई तहसील अध्यक्ष के पद पर विष्णुकान्त शर्मा को नियुक्त किया है। नवनियुक्त तहसील अध्यक्ष विष्णुकान्त शर्मा को नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान अध्यक्ष शर्मा को अग्रिम 3 दिवस मे कार्यकारीणी का गठन करने के लिए निर्देशित किया गया।

खेत पर काम कर रहा किशोर डिग्गी में डूबा, मौतः पानी का पाइप लेने गया था

बालोतरा

बालोतरा में खेत पर बनी डिग्गी में डूबने से किशोर की मौत हो गई। किशोर पानी का पाइप लेने गया था, काफी देर तक नहीं लौटा तो परिजनों ने जाकर देखा। जहां किशोर की चप्पल तैरती हुई मिली। सिविल डिफेंस, तैराक दल और ग्रामीणों की सहायता से शव को आधे घंटे बाद बाहर निकाला गया। मामला जिले के समदड़ी थाना क्षेत्र के जेठंतरी गांव में बुधवार सुबह करीब 9:30 बजे हुआ। थानाधिकारी अमराराम ने बताया कि इंद्राणा निवासी अनोप (16) पुत्र अजाराम भील जेठंतरी स्थित कृषि कुएं पर अपने परिजनों के साथ खेत पर काम कर रहा था। वो डिग्गी के पास पानी का पाइप लेने गया, तभी प्लास्टिक के त्रिपाल पर पैर फिसलने से संतुलन बिगड़ गया और वो डिग्गी में गिर गया। कुछ देर बाद जब अनोप दिखाई नहीं दिया, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इस दौरान पानी के ऊपर उसकी चप्पल तैरती हुई मिली, जिससे हादसे का अंदेशा हुआ।

भाजपा नेता को दिनदहाड़े गोली मारी, अब 'शव' लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे लोग, चित्तौड़गढ़ में हंगामा

चित्तौड़गढ़

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ शहर में मंगलवार को दिनदहाड़े भाजपा नेता और कूरियर व्यवसायी रमेश ईनाणी की गोली मारकर हत्या कर दी गई. इस हत्याकांड से गुस्साए परिजनों और व्यापार मंडल ने बुधवार सुबह बाजार बंद रखा और शव को एम्बुलेंस में लेकर सीधे जिला कलेक्ट्रेट परिसर पहुंच गए और जमकर प्रदर्शन किया. माहौल की गंभीरता को देखते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में बड़ी संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात किया गया. लेकिन परिजन और प्रदर्शनकारी गोलीकांड में शामिल दोषी व्यक्तियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग पर अड़े रहे. वारदात मंगलवार सुबह करीब सवा 11 बजे कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित सिटी सेंटर के पास हुई. रमेश ईनाणी (जो 2019 से 2022 तक भाजपा के नगर मंत्री रहे थे) अपनी स्कूटी पर सवार होकर ऑफिस जा रहे थे. इसी दौरान हेलमेट पहने एक बाइक सवार बदमाश ने उन्हें निशाना बनाया. हमलावर ने ईनाणी पर तीन गोलियां

चलाईं, जिनमें से दो गोली उनकी पीठ और पैर में लगीं. हमलावर तुरंत मौके से फरार हो गया. इसके बाद गंभीर रूप से घायल ईनाणी को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें उदयपुर रेफर कर दिया गया. हालांकि, तमाम कोशिशों के बावजूद देर रात उन्होंने दम तोड़ दिया. घटना की सूचना मिलते ही एसपी मनीष त्रिपाठी, एडिशनल एसपी सरिता सिंह और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे. घटना स्थल से दो खाली गोली के खोल भी मिले. एफएसएल की टीम ने भी घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए. पुलिस ने हमलावर को पकड़ने के लिए विशेष टीमें गठित की हैं और विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान जारी है. देर शाम सीसीटीवी फुटेज के आधार पर एक संदिग्ध व्यक्ति को पुलिस ने डिटेन कर लिया था, जिससे पूछताछ जारी है. बुधवार सुबह रमेश ईनाणी का शव उदयपुर से चित्तौड़गढ़ पहुंचा. आक्रोशित व्यापार मंडल ने सुबह बाजार बंद रखा और गोल प्याऊ से जिला कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च किया. परिजनों ने लाश को अंतिम संस्कार के लिए ले जाने के बजाय, एम्बुलेंस में सीधा जिला कलेक्ट्रेट परिसर में लाकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया. परिजनों का स्पष्ट आरोप है कि रमेश ईनाणी का लंबे समय से प्रॉपर्टी विवाद चल रहा था और इसी विवाद के चलते उन्हें गोली मारी गई. प्रदर्शनकारी हत्या के पीछे के मुख्य षड्यंत्रकारियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं.

नशे और स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान का आयोजन

कोटपूतली। यहां के राजकीय एल.बी.एस. पी.जी. महाविधालय में नई किरण नशा मुक्त भारत अभियान प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्त्वाधान में गुरूवार को व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो. राजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अभियान के तहत हमें युवाओं को नशे की लत से मुक्त करना हैं एवं गांव-गांव जाकर जागरूकता फैलानी है। उन्होंने बताया कि नशे की लत युवाओं के स्वास्थ्य व कैरियर को बर्बाद कर रही हैं जो चिंता का विषय है। मुख्य वक्ता डॉ. नरेंद्र जांगिड़ ने नशे और स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने नशे के विभिन्न प्रकारों से अवगत कराया एवं शारीरिक, मानसिक व सामाजिक पक्षों पर नशे के दुष्प्रभाव बताये। उन्होंने नशे की विभिन्न स्टेज बताई एवं प्रत्येक स्टेज पर होने वाले बचाव एवं उपचार की जानकारी दी। संचालन प्रो. हरिराम धनेटिया ने किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संदीप कुमार आर्य ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्रो. शुभलता यादव, प्रो. चन्दन सिंघल, प्रो. शीशराम मीणा, प्रो. गजराज सिंह, प्रो. मालीराम मीणा, प्रो. कृष्ण पोसवाल समेत बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहें।

द अल्टीमेट रनवे रिदम सीजन-2 का जयपुर में होगा आयोजन

जयपुर।

राजधानी जयपुर में एक बार फिर 'द अल्टीमेट रनवे रिदम - द ग्लोबल पिंक सिटी कल्चरल फीस्ट अवार्ड' का सीजन-2 आयोजित किया जा रहा है। इस अवार्ड शो का आयोजन नटराज कला संस्कृति संस्थान की प्रेसिडेंट एवं नेशनल जनरल सेक्रेटरी रेखा कुमावत और सेक्रेटरी हिमांशी सिंह द्वारा किया जाएगा। यह कार्यक्रम 8 फरवरी 2026 को भव्य रूप से आयोजित होगा।

इस अवार्ड सीजन में जयपुर सहित अन्य शहरों के डांस महारथी, एक्टर्स, सिंगर्स, कवि, प्रोफेशनल मॉडल्स और डिज़ाइनर्स अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। यह मंच नए और उभरते कलाकारों को अपनी कला को पहचान दिलाने के साथ-साथ प्रसिद्ध चेहरों से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा। शो के ऑडिशन 28 जनवरी को विद्याधर नगर स्थित जेकेजे ज्वेलर्स भवन में होंगे, जिनका शुल्क निःशुल्क रखा गया है। वहीं रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 16 नवम्बर को साइंस पार्क ऑडिटोरियम में सुबह 10:30 बजे से शाम 5 बजे तक शुरू होगी। इच्छुक प्रतिभागी अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9983731731 और 8766628084 पर संपर्क कर सकते हैं।

जेडीए की पीडब्ल्यूसी बैठक में 60 करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत

जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा के नेतृत्व में जयपुर विकास प्राधिकरण शहर के सुनियोजित विकास के लिए सतत कार्यरत है। इसी क्रम में विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में गुरुवार को मंथन सभागार में हुई पीडब्ल्यूसी बैठक में लगभग 60 करोड़ रुपये के कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में जोन-9 की सेन्ट्रल स्पाइन योजना के जी ब्लॉक में विकास कार्यों के लिए 9.41 करोड़ रुपये तथा जोन-12ए (चौमू क्षेत्र) में सड़कों के नवीनीकरण और सुदृढ़ीकरण हेतु 4.38 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई। मुहाना मंडी गेट नंबर 2 के पास 160 फीट सेक्टर रोड पुल निर्माण हेतु 5.31 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। जोन-7 में पुरानी चुंगी पर यातायात सुधार कार्य के लिए 19.19 करोड़ रुपये तथा जोन-10 की लांगडीयावास रिसोर्ट योजना (फेज-1) में विकास हेतु 9.24 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई।

इसके अलावा, नगर निगम सीमा से बाहर स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत व रखरखाव हेतु 3.09 करोड़ रुपये, अमृत कुंज आवासीय योजना में रिप्लानिंग का निर्णय, तथा स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत उपकरणों और सॉफ्टवेयर संचालन के लिए 27.98 करोड़ रुपये की संशोधित स्वीकृति प्रदान की गई।

कार्यालय ग्राम पंचायत हिंगोनिया पं.सं. जोबनेर जिला जयपुर

क्रमांक -ग्रां.पं.हिंगोनिया/निर्माण/निविदा/2025-26/292 **दिनांक-13/11/225**

ई-निविदा सूचना संख्या / 2025-26

ग्राम पंचायत हिंगोनिया पंचायत समिति जोबनेर में निम्नलिखित कार्य हेतु विनिर्माता / डीलर / वास्तविक आपूर्तिकर्ता/थोक विक्रेता पंचायत समिति जोबनेर, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर निगम एंव राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदकों से टेन्डरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदाएं दिनांक 19.11.2025 प्रातः 11:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा शुल्क / धरोहरराशि / प्रक्रिया शुल्क एवं निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण वेबसाईट http//sppp.rajasthan.gov.in पर अवलोकन की जा सकती है साथ ही, कार्यालय के नोटिस बोर्ड / कार्यालय में कार्य दिवसों में देखी जा सकती है।

क्रं. स	कार्य का नाम (राशि लाखों में)	अनुमानित लागत (राशि लाखों में)	धरोहर राशि (2 प्रतिशत)	निविदा शुल्क	M.D RSIL शुल्क (रूपये में ई ग्रस्त चालान द्वारा)	निविदा फार्म बेचने की प्रारंभिक एवं अंतिम तिथि	फार्म जमा करने की अंतिम तिथि	निविदा खोलने की अंतिम दिनांक
1	विधानसभा क्षेत्र झोटवाड़ा में हाई मास्क लाईट हेतु ग्राम पंचायत हिंगोनियां	10.00 लाख	20,000	500/-	500/-	दिनांक 13.11.2025 को दोपहर 03:00 से 19.11.2025 को सायं 05:00 बजे तक	19.11.2025 11:00 सुबह बजे तक	19.11.2025 2:00 दोपहर बजे तक

1. निविदा निर्धारित दिनांक को 2:00 PM बजे क्रय समिति द्वारा पंचायत समिति में खोली जायेगी। निविदा शुल्क/धरोहर राशि एवं निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण वेबसाईट http:\\\sppp.rajasthan.gov.in, एंव कार्यालय नोटिस बोर्ड पर अवलोकन की जा सकती है। एवं निविदा फार्म कार्यालय समय में ग्राम पंचायत हिंगोनिया से प्राप्त किये जा सकते है।
2. निविदा प्रपत्र, फार्म शुल्क, तथा धरोहर राशि डी.डी./ बैंकर चैक / नकद रसीद के रूप में निर्धारत समयावधि तक कार्यालय ग्राम पंचायत हिंगोनिया में भौतिक रूप में जमा करवाना अनिवार्य है।

शर्ते :- निविदा फार्म के साथ समस्त शर्ते सलग्न है जो कि मान्य होगी

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत हिंगोनियां
पं.सं. जोबनेर, जयपुर (राज.)

NIB No:- ZJP2526A1180
UBN No:- ZJP2526WSOB01827

प्रशासक
ग्राम पंचायत हिंगोनियां
पं.सं. जोबनेर, जयपुर (राज.)

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

10 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 12 केन्टर सामान जब्त

हमारा समाचार

जयपुर। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में गुरूवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में विधानसभा रोड़, जनपथ, भण्डारी हॉस्पिटल गोपालपुरा, केसर चौराहे से रामपुरा रोड़ फाटक तक वार्ड नंबर 83, बडी चौपड़, रामगंज बाजार, रामगंज चौपड़, हिदा की मोरी, सूरजपोल बाजार, सूरजपोल गेट, गलता गेट, दिल्ली बाईपास रोड़, ट्रांसपोर्ट नगर, पानी की टंकी गेट नं. 2 ट्रांसपोर्ट नगर, घाटगेट, गोविन्द मार्ग, पिंक स्क्वायर मॉल, बर्फ खाना आदर्श नगर, सांकेत कॉलोनी, गुरूद्वारा मोड़ तक अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 10 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 12 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में विधानसभा रोड़, जनपथ, भण्डारी हॉस्पिटल गोपालपुरा, केसर चौराहे से रामपुरा रोड़ फाटक तक वार्ड नंबर 83, बडी चौपड़, रामगंज बाजार, रामगंज चौपड़, हिदा की मोरी, सूरजपोल बाजार, सूरजपोल गेट, गलता गेट, दिल्ली बाईपास रोड़, ट्रांसपोर्ट नगर, पानी की टंकी गेट नं. 2 ट्रांसपोर्ट नगर, घाटगेट, गोविन्द मार्ग, पिंक स्क्वायर मॉल, बर्फ खाना आदर्श नगर, सांकेत कॉलोनी, गुरूद्वारा मोड़ तक अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 12 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 10 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

प्रारूप-10
[नियम 6 (7) देखिए]

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय, नगरपालिका मण्डल, सांभर लेक

कमांक: नपासा/2025/1918 **दिनांक 13/11/2025**

: लोकसूचना :-

मनसुख रियल्टी पता- प्लाट नंबर 01. द्वितीय तल, ज्ञान विहार, डी. सीएम, अजमेर रोड, जयपुर जरिये अधिकृत पार्टनर श्री दिनेश कुमावत पुत्र श्री शिवभगवान निवासी- गणगौर बाजार फुलेरा ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजनों के लिये भू उपयोग परिवर्तन हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया हैं. अर्थात् :-

क.सं.	जिले का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	रकबा	चाहा गया उपयोग
1	जयपुर	सांभर लेक	2605/1323	कुल किता 01 रकबा 1.4629 हैक्टेयर	कुल किता 01 रकबा 1.4629 हैक्टेयर भूमि को आवासीय में रूपान्तरण हेतु।

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोगार्थ (आवासीय भू-रुपान्तरण) हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिवृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है. तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
नगरपालिका मण्डल सांभर लेक

कार्यालय ग्राम पंचायत भैंसलाना

पंचायत समिति किशनगढ़ रेनवाल, जिला जयपुर (राज०)

क्रमांक :- ग्राप भैंसलाना/ई-टेन्डर/2025-26/188
दिनांक :- 12/11/2025

ई-निविदा सूचना 2025-26

ग्राम पंचायत भैंसलाना, पंचायत समिति किशनगढ़ रेनवाल में वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना से स्वीकृत कार्य/संकर्म राजस्थान लोक उपापन पारदर्शिता नियम 2013 एवं राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 181 (2) के अनुसार करवाने हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत प्रतिष्ठानों / संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑनलाइन निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण eproc.rajasthan.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in से upload/download की व देखी जा सकती है।

UBN No.KHR2526WSOB00004 TO KHR2526WSOB00007
NIB No.KHR2526A0004

प्रशासक
ग्राम पंचायत भैंसलाना
पं.स. किशनगढ़ रेनवाल

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत भैंसलाना
पं.स. किशनगढ़ रेनवाल

पोस्टर का विमोचन नीलका धाम महामंडलेश्वर

महंत श्री रामदास जी महाराज के कर कमलों से हुआ

पावटा। झीडा के बालाजी मंदिर में श्री राम मारुति महायज्ञ के पोस्टर विमोचन को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महंत श्री सांवरमल व्यास व पंडित सोहनलाल व्यास ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी श्री राम मारुति महायज्ञ की तैयारियाँ जोरों पर चल रही हैं। बैठक के दौरान यज्ञ की रूपरेखा और कार्यक्रमों की जानकारी साझा की गई। पोस्टर विमोचन का शुभ कार्य नीलका धाम महामंडलेश्वर महंत श्री रामदास जी महाराज के कर कमलों से संपन्न हुआ। महाराज श्री ने यज्ञ आयोजन की सफलता हेतु आशीर्वचन देते हुए क्षेत्रवासियों को धार्मिक उत्सव में अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक श्रद्धालु, गणमान्य नागरिक व आयोजन समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में यज्ञ के आयोजन को लेकर तैयारियों और व्यवस्था पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

हमारा समाचार

प्रादेशिक समाचार

आर.एन.आई.नं. RAJHIN/2012/45657, डाक पंजीयन संया RJ/JPM/151/2022-2024

यहां कलेक्टर के आदेश भी बेअसर

टोंक में शहर 'गिरदावर' की दादागिरी.. जनसुविधा की जमीन पर किया कब्जा!

मोटर सिटी कॉलोनी का पार्क निगला, 10 फीट दीवारों से 10 हजार फीट पर कब्जा

एक करोड़ की जमीन डकारी, अतिक्रमण पर प्रशासन चुप

हमारा समाचार

टोंक (केशव राज सेन)। नगर परिषद टोंक द्वारा अनुमोदित मोटर सिटी कॉलोनी में जनसुविधाओं के लिए छोड़ी गई जमीन पर किए गए कथित अवैध निर्माण को लेकर स्थानीय लोग एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं। गुरुवार को कॉलोनीवासियों ने नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल को ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया कि वर्तमान में शहर गिरदावर पद पर कार्यरत अब्दुल कलीम ने अपनी पद की शक्ति का दुरुपयोग करते हुए जनसुविधा के लिए छोड़े गए भूखंड पर न केवल कब्जा कर लिया, बल्कि 10-10 फीट ऊंची दीवारें खड़ी कर पूरा क्षेत्र घेर लिया है।

ज्ञापन में कॉलोनीवासियों ने बताया कि मोटर सिटी कॉलोनी को नगर परिषद से विधिवत अनुमोदन मिला हुआ है, जिसमें पार्क, सामुदायिक कार्य और जनसुविधा के लिए निर्धारित भूखंड को मौजूदा गिरदावर ने निजी उपयोग के लिए घेर लिया। कॉलोनीवासियों के अनुसार इस जमीन की वर्तमान बाजार कीमत कम से कम एक करोड़ रुपये है। लोगों ने बताया कि जनसुविधा वाली इस भूमि पर ऊंची दीवारें बनाकर पूरा हिस्सा बंद कर दिया गया है। भारीभरकम दीवारें और कंस्ट्रक्शन मटीरियल देखकर पहली नजर में ही यह साफ हो जाता है कि यह कब्जा किसी साधारण व्यक्ति ने नहीं, बल्कि रुतबे और रसूख वाले सरकारी कर्मचारी ने किया है। लोगों का कहना है कि ऐसे अतिक्रमण से कॉलोनी में रहने वाले परिवारों को गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा–विशेष रूप से पार्क, खेल मैदान और सामुदायिक गतिविधियों के लिए छोड़ी गई जगह अब पूरी तरह से अवरुद्ध हो चुकी है।

जनसुविधाओं को निगल गया अवैध कब्जा, लोगों में आक्रोश

कॉलोनीवासियों ने कहा कि यदि इस कब्जे को तुरंत नहीं हटाया गया तो कॉलोनी की मूल संरचना ही खराब हो जाएगी। जनसुविधाओं के लिए छोड़ी गई जमीन हर नागरिक का अधिकार है, लेकिन जब उसी जमीन पर सरकारी कर्मचारी ही दीवारें खड़ी करने लगें तो आम आदमी न्याय की उम्मीद किससे करे? स्थानीय लोगों ने नगर परिषद से जल्द से जल्द अवैध निर्माण को ध्वस्त कर भूमि को मुक्त कराने की मांग की है, ताकि बच्चों के पार्क, बुजुर्गों के बैठने और सामुदायिक उपयोग की इस जमीन को मूल रूप में बहाल किया जा सके।

कलेक्टर को भी दिए थे ज्ञापन, निर्देश हुए; लेकिन कार्रवाई नहीं

कॉलोनीवासियों ने बताया कि यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने अधिकारियों के समक्ष शिकायत रखी है। इससे पहले जिला कलेक्टर को भी ज्ञापन दिया गया था। जनसुनवाई में कलेक्टर ने अतिर₹ मण हटाने के स्पष्ट निर्देश दिए थे। लेकिन, निर्देशों के बावजूद आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों में नाराजगी है कि जहां आम नागरिकों के छोटे-छोटे निर्माण पर तुरंत कार्रवाई होती है, वहीं शहर गिरदावर जैसे अधिकारी के अवैध कब्जे पर प्रशासन चुप्पी साधे लगता है।

नाबालिग से दुष्कर्म केस में बड़ा मोड़.. आरोपी की पत्नी, बेटा और बेटी भी सहआरोपी

पॉक्सो केस में पूरा परिवार घेरे में, आरोपी वर्मा की पत्नी-बेटे-बेटी पर भी एक्शन

चित्रकूट थाना केस में बड़ा खुलासा, मुख्य आरोपी के साथ पूरा परिवार जांच के दायरे में

हमारा समाचार

जयपुर। नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में आरोपी हरिशंकर वर्मा के साथ उनकी पत्नी मालती वर्मा और भाई-बहन राहुल वर्मा तथा खुशी वर्मा को भी सह आरोपी बनाया गया है। यह मामला चित्रकूट थाना जयपुर पुलिस ने पोक्सो एक्ट में मुकदमा संख्या 526/24 के अन्तर्गत दर्ज किया गया था। यह जानकारी देते हुए अभिवक्ता मनमोहन पाण्डे ने बताया कि इसमें हरिशंकर वर्मा को ही आरोपी बनाया गया था लेकिन बाद में पुलिस ने अपनी तफ्तीश में मुख्य आरोपी हरिशंकर वर्मा के साथ साथ पत्नी, बेटा और बेटी को भी तथ्य छिपाने तथा गलत जानकारी देने का दोषी मानते हुए सहआरोपी बनाया है। उल्लेखनीय है कि आरोपियों की श्री गणेश एंटरप्राइजेज, त्रिपाठी एंटरप्राइजेज, हरि एंटरप्राइजेज के नाम से फर्म हैं जो रींगस, खंडेला डाटा रामगढ़, बोरावर, किशनगढ़-अजमेर में कार्यरत हैं।

बगरू आखिर वाल्मीकि मोहल्ले को गंदगी से मिली निजात बनी रोड खिले चेहरे

हमारा समाचार

बगरू कस्बे के वार्ड नंबर 23 के वाल्मीकि मोहल्ले में लंबे इंतजार के बाद आखिर बरसो पुरानी टूटी रोड की प्रशासन ने सुध लेते हुए निर्माण कार्य शुरू किया। मोहल्ले में जैसे ही सड़क निर्माण प्रारंभ हुआ वैसे ही मोहल्ला वासियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।ज्ञातव्य है कि मोहल्ले में लंबे समय से यह रोड़ जीर्ण शिर्ण अवस्था में होने के कारण गंदगी का आलम होने के कारण आवारा पशुओ का जमावड़ा रहने से आमजन का यहाँ गुजरना भी दुस्वर था अब यहाँ रोड़ बनने से यहाँ के बाशिंदों को राहत मिली है। वार्ड पार्षद भगवान सहाय टेपन ने इस कार्य के लिए नगर पालिका प्रशासन सहित विधायक डॉक्टर कैलाश वर्मा और भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष सुरोलिया का आभार व्यक्त किया है।

जयपुर में चमकेगा 'मिस यूनिवर्स का सितारा'.. ग्लैमर वर्ल्ड के लिए तैयार होंगे नए सुपरस्टार्स!

फॉरएवर स्टार इंडिया ग्रैंड फिनाले का काउंटडाउन शुरू, 19-21 दिसंबर को रचा जाएगा इतिहास

जी स्टूडियो बनेगा ग्लैमरस वर्ल्ड स्टेज का गवाह

शाहरुख-आलिया के कोरियोग्राफर शाय लोबो संभालेंगे मिस यूनिवर्स फिनाले की कमान

5000 ग्लोबल प्रतिभागियों में से चुने गए है फाइनलिस्ट, जयपुर में होगा फैशन का महाकुंभ

हमारा समाचार

जयपुर। फॉरएवर स्टार इंडिया द्वारा मिस यूनिवर्स ग्रैन्ड फिनाले 19 से 21 दिसंबर तक जयपुर स्थित जी स्टूडियो में आयोजित किया जाएगा। प्रसिद्ध फैशन कोरियोग्राफर शाय लोबो इस प्रतिष्ठित शो की कोरियोग्राफी और डायरेक्शन की जिम्मेदारी संभालेंगे। शाय लोबो फैशन जगत का एक जाना-माना नाम हैं जिन्होंने शाहरुख खान, आलिया भट्ट और जैकलीन फर्नांडीज जैसे कई बॉलीवुड सितारों के साथ काम किया है। मिस यूनिवर्स इवेन्ट में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के फैशन डिजाइनर अपने कलेक्शन पेश करेंगे तथा मेकअप आर्टिस्ट और हेयर स्टाइलिस्ट अपनी टीमों के साथ अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। शो में एथनिक और कल्चरल परिधान में एक एक्सक्लूसिव राउंड होगा। गौरतलब है कि मिस यूनिवर्स के लिए दुनियाभर से लगभग 5000 प्रतिभागियों ने टैलेन्ट राउंड में भाग लिया। अनुभवी ज्यूरी द्वारा पूरी पारदर्शिता के साथ प्रतिभागियों का चुनाव किया गया। ज्ञात रहे फॉरएवर स्टार इंडिया भारत का इकलौता ऐसा मंच है जहां चुने हुए कन्टेस्टेन्ट को बारीकी से प्रशिक्षित करके ग्लैमर व फैशन जगत में नाम कमाने के लिए तैयार किया जाता है। प्रतिभागी ग्लैमर व फैशन के साथ-साथ किसी भी फील्ड में प्रवेश करके सफलता हासिल कर सकते हैं।

सभी प्रतिभागियों को दी जाएगी यूनिक आईडी, विजेताओं की होगी क्राउन सेरेमनी

फॉरएवर स्टार इंडिया के फाउंडर और सीईओ राजेश अग्रवाल एवं डायरेक्टर जया चौहान ने बताया कि मिस यूनिवर्स के मंच पर मिस इंडिया, मिसेज इंडिया और मिस टीन इंडिया ब्यूटी पेजेन्ट्स विजेताओं की क्राउन सेरेमनी भी की जाएगी। राजेश ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को एक यूनिक आईडी दी जाएगी जो उन्हें विभिन्न डिजिटल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वैश्विक पहचान दिलाने में मदद करेगी। आधुनिक तकनीक से सुसज्जित इस आयोजन को मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लाइव प्रसारित किया जाएगा।

बीएसएफ के रिटायर्ड आईजी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने फिर रचा इतिहास, लगातार दो गोल्फ टूर्नामेंट में जीती ट्रॉफी

राठौड़ दिल्ली में बने सर्वश्रेष्ठ गोल्फर, मुंबई में ऑल इंडिया एवीटी सीनियर टूर्नामेंट में भी किया नाम रोशन, सेवा निवृत्ति के बाद भी खेल, समाज और संगठन के प्रति हैं समर्पित

हमारा समाचार

खाजूवाला/ बीकानेर(दलीप नोखवाल)। बीएसएफ के रिटायर्ड आईजी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और जुनून से गौरवशाली उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने लगातार दूसरे गोल्फ टूर्नामेंट में जीत दर्ज कर न केवल बीएसएफ का नाम रोशन किया, बल्कि राजस्थान का भी मान बढ़ाया। दिल्ली में आयोजित बीएसएफ और नेवी के बीच हुए प्रतिष्ठित मुकाबले में पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने सर्वश्रेष्ठ गोल्फर का खिताब अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता में बीएसएफ और नेवी के शीर्ष खिलाड़ी शामिल थे, जिनके बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। राठौड़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निर्णायक बढ़त हासिल की और सभी को अपने अनुभव व सटीक खेल का परिचय कराया। दिल्ली में मिली इस शानदार जीत के बाद राठौड़ ने मुंबई में आयोजित ऑल इंडिया एवीटी सीनियर गोल्फ टूर्नामेंट में भी अपनी आयु वर्ग में ट्रॉफी जीतकर लगातार दूसरी सफलता हासिल की। दो सप्ताह के भीतर दो प्रमुख जीत हासिल कर उन्होंने यह साबित किया कि अनुशासन और समर्पण से उम्र कभी प्रतिभा की राह नहीं रोक सकती।राठौड़ इससे पहले बीकानेर सेक्टर बीएसएफ में डीआईजी रहते हुए न केवल सीमाओं की सुरक्षा में अग्रणी भूमिका निभा चुके हैं, बल्कि कई समाजसेवी और प्रेरक कार्य भी किए हैं। उनके नेतृत्व में खाजूवाला स्थित बीएसएफ परेड ग्राउंड व ग्राउंड में 100 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज का निर्माण कराया गया, जो आज खाजूवाला की शान बन चुका है। इसके अलावा, उन्होंने सांचू पोस्ट पर सौंदर्यकरण कार्य करवाकर सीमा क्षेत्र में आकर्षक वातावरण तैयार कराया। हाल ही में उन्होंने बीकानेर में आईजी और डीआईजी स्तर के सहयोग से ऑल इंडिया बीएसएफ गोल्फ टूर्नामेंट का सफल आयोजन भी करवाया, जिससे बीकानेर गोल्फ कोर्स को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली। राठौड़ की ये उपलब्धियां इस बात का प्रतीक हैं कि उन्होंने सेवा निवृत्ति के बाद भी खेल, समाज और संगठन के प्रति अपना समर्पण बनाए रखा है।

ग़ैर सरकारी स्कूलों की चुनौतियों पर बड़ा मंथन.. 'सेवा' का प्रदेश सम्मेलन 16 नवंबर को जयपुर में

स्कूल एजुकेशन वेलफेयर एसोसिएशन राजस्थान के एक दिवसीय प्रदेश सम्मेलन

नई शिक्षा नीति और निजी स्कूलों की समस्याओं पर होगी गहन चर्चा

एक मंच पर होंगे सभी प्रमुख निजी स्कूल संचालक

हमारा समाचार

जयपुर। राजस्थान की गैर सरकारी स्कूलों के संगठन स्कूल एजुकेशन वेलफेयर एसोसिएशन राजस्थान का एक दिवसीय प्रदेश सम्मेलन प्रदेश अध्यक्ष कोडाराम भादू के अध्यक्षता में प्रिंस रेजिडेंशियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल गोविंदपुरा, कालवाड़ रोड, झोटवाड़ा, जयपुर में होगा। संगठन के मीडिया प्रभारी शैलेश भदानी ने बताया कि दो सत्र में होने वाले सम्मेलन में गैर सरकारी स्कूलों के समक्ष आ रही समस्याओं पर चर्चा की जाएगी। साथ ही नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं, गैर सरकारी स्कूलों के समक्ष चुनौतियां एवं उनके समाधान पर चर्चा होगी। गैर सरकारी स्कूलों से संबंधित विभिन्न विषयों पर विषय विशेष विशेषज्ञ द्वारा वार्ताएं प्रस्तुत की जाएगी।

संगठन के जयपुर जिला अध्यक्ष शंकरलाल यादव ने बताया कि सम्मेलन को सफल बनाने के लिए जयपुर जिले में विभिन्न तहसीलों में टोलियां बनाकर जनसंपर्क किया जा रहा है ताकि ज्यादा से ज्यादा गैर सरकारी स्कूल संचालकों के प्रतिनिधि भाग ले सके। प्रिंस रेजिडेंशियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के निदेशक दीपाराम जाट ने बताया कि सम्मेलन से संबंधित तैयारियां, सभा स्थल एवं आगंतुक प्रतिनिधियों के लिए आवास व भोजन व्यवस्था की तैयारिया जोर-जोर से की जा रही है।

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय खण्डवालों की ढाणी में पानी की भारी किल्लत, बच्चों को बाल्टियों में भरकर लाना पड़ रहा पानी

जल जीवन मिशन की लाइन डाली लेकिन चालू नहीं की, शौचालय बंद, बच्चे खुले में शौच को मजबूर

हमारा समाचार

जालसू उपखंड के अंतर्गत आने वाले राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय खण्डवालों की ढाणी, रोजदा पंचायत क्षेत्र में पीने के पानी की समस्या लगातार बनी हुई है। विद्यालय परिसर में पानी की टंकी और हैंडपंप दोनों मौजूद हैं, लेकिन दोनों ही बेकार पड़े हुए हैं। टंकी में पानी नहीं आता और हैंडपंप भी लंबे समय से खराब है।

स्कूल के बच्चों को प्रतिदिन लगभग 200 से 300 मीटर दूर जाकर बाल्टियों में पानी भरकर लाना पड़ता है। यही पानी पीने, हाथ-मुंह धोने और पोषाहार के बाद बर्तन साफ करने के काम में लिया जाता है। पानी के अभाव में विद्यालय के शौचालय भी बंद पड़े हैं, जिसके कारण छात्र-छात्राओं को खुले में शौच के लिए जाना पड़ता है।

विद्यालय के पास ही आंगनवाड़ी केंद्र भी संचालित है, लेकिन वहां भी पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। शिक्षक और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कई बार स्थानीय स्तर पर समस्या को उठाने के बावजूद समाधान नहीं करवा पाए हैं।

विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि जल जीवन मिशन की ओर से लाइन तो डाल दी गई थी, लेकिन उसे चालू नहीं किया गया, जिससे सारी व्यवस्था अधूरी रह गई।

इस संबंध में जब पंचायत समिति सदस्य जयराम कुमावत से बात की गई तो उन्होंने कहा – 'हमने इस समस्या को लेकर कई बार विभागीय अधिकारियों को लिखित में शिकायत दी है, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ है।'

वहीं जालसू ब्लॉक के सीबीईओ ने बताया गिरिराज शर्मा– 'मामले की जानकारी ली गई है, और धरातल पर यही स्थिति पाई गई है। जल जीवन मिशन के अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है। जल्द ही निस्तारण करवाया जाएगा।'

इस विषय पर रोजदा सरपंच आशा निठारवाल ने कहा – 'स्कूल की मोटर जल गई थी, जिससे पानी की आपूर्ति बाधित हो गई। एक-दो दिन में मोटर बदलकर समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।'

फिलहाल, ग्रामीण क्षेत्र के इस विद्यालय में बच्चों को हर दिन पानी की बूंद-बूंद के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। टंकी और हैंडपंप दोनों निष्क्रिय होने के कारण जल जीवन मिशन की योजनाएं भी कागजों तक सीमित नजर आ रही हैं। जब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता, तब तक स्कूल के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को इसी तरह परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रामनिवास मंडोलिया के लिए डी.बी. कॉर्प लि. (भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, शिवदासपुरा टोंक रोड, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 84 मंडोलियों की ढ़ाणी जोबनेर रोड़ कालवाड़ जयपुर, (राज.) से प्रकाशित, संपादक रामनिवास मंडोलिया मो.- 9461162346, सिटी कार्यालयः 42, कोस्मो कॉलोनी, विनायक रेजीडेन्सी, वैशाली नगर, जयपुर।